BATTERY ZONE
Deals in : All Types of Battery and Invertor
Mob. 9109013555
TATA Green Batteries
MICROTEK TECHNOLOGY WE LIVE
Opp. Majar, G.E. Road, Shastri Nagar, Bhilai (C.G.)

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

वर्ष- 14, अंक - 81 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 3 जनवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

दादा बने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पोते की झलक पाने बीएम शाह अस्पताल पहुंचे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज दादा बन गए हैं। सीएम भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल व पुत्रवधु ख्याति बघेल ने पुत्र रत्न को जन्म दिया है। पोते के जन्म की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खुद को रोक नहीं पाए और भिलाई के बीएम शाह हॉस्पिटल पहुंच गए जहां उनकी बहू ने बेटे को जन्म दिया। सीएम बघेल के अस्पताल पहुंचते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मजमा लगा रहा और हर कोई उन्हें पोते की बधाई दे रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पुत्रवधू ख्याति बघेल को मंगलवार सुबह प्रसव पीड़ा हुई। इसके बाद उन्हें भिलाई के बीएम शाह हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। सुबह 8 बजे ख्याति बघेल को अस्पताल लाया गया और यहां सुबह 9.43 बजे के आसपास ख्याति बघेल ने बेटे को जन्म दिया। अस्पताल में मां और बेटा दोनों ही स्वस्थ्य हैं। पोते के जन्म की सूचना के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी सीएम हाउस से निकले और सीधे बीएम शाह हॉस्पिटल पहुंच गए। इस दौरान वे काफी खुश दिखे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने पोते की खुशी सोशल मीडिया पर भी शेयर की है। ट्विटर व फेसबुक पेज पर सीएम भूपेश बघेल ने खुशी जाहिर करते हुए लिखा कि मैं दादा बन गया। एक और पोस्ट में उन्होंने लिखा कि दादा-दादी और पोता। मुख्यमंत्री के पोस्ट पर बधाईयों का तांता लगा हुआ है। चंद मिनटों में ही बधाई देने वालों की संख्या एक हजार के पार कर गई।

छावनी बना अस्पताल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पुत्रवधु ख्याति बघेल को अस्पताल लाने के बाद पूरा परिसर छावनी में तब्दील हो गया। जैसे ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अस्पताल में पहुंचने की सूचना मिली इसके बाद जिले की पुलिस फोर्स अस्पताल पहुंच गई। सीएम बघेल अस्पताल पहुंचे और करीब डेढ़ घंटे रहने के बाद वापस लौटे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी। बिना किसी चर्चा के वे वापस लौट गए। दरअसल मुख्यमंत्री बघेल को विधानसभा सत्र में भी शामिल होना इसलिए वे ज्यादा देर तक नहीं रुके।

खास खबर...

नेशनल हाईवे पर छह वाहन आपस में टकराए, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में मंगलवार सुबह भयानक हादसा हो गया। यहां त्रिची-चेन्नई राष्ट्रीय राजमार्ग पर छह वाहन आपस में टकरा गए, जिसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया, हाईवे पर दो बस, दो लॉरी और दो कारें आपस में टकरा गईं, जिससे यह भीषण हादसा हो गया।

अधिकारियों का कहना है कि मृतक एक ही परिवार के हैं। हालांकि, अभी तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है। मृतक एक ही कार में सवार थे, जिन्हें वेप्पूर फायरमैन टीम द्वारा कार से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उधर, पुलिस ने बताया, कार से बरामद आरसी से पता चला है कि यह परिवार चेन्नई के नंगनल्लूर का रहने वाला था। हालांकि, उनकी पहचान किया जाना बाकी है।

सम्मेद शिखर बचाने के लिए अनशन पर बैठे जैन मुनि सुज्ञेयसागर ने त्यागे प्राण

जयपुर (एजेंसी)। सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने के खिलाफ अनशन पर बैठे जैन मुनि सुज्ञेय सागर ने अपने प्राण त्याग दिए हैं। जयपुर के सांगानेर में मुनि बीते 25 दिसंबर से अनशन पर थे। मंगलवार दोपहर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, सांगानेर में विराजितसुज्ञेयसागर जी महाराज सम्मेद शिखर को बचाने के लिए 25 दिनों से अनशन पर बैठे हुए थे। नौ दिन बाद यानी मंगलवार सुबह उन्होंने देह त्याग दी। उनकी डोल यात्रा संघी जी मन्दिर सांगानेर, जयपुर से निकलेगी। फिर उन्हें सांगानेर के श्रमण संस्कृति संस्थान में समाधि दी जाएगी।

बता दें कि झारखंड के गिरिडीह जिले में पारसनाथ पहाड़ियों पर स्थित सम्मेद शिखरजी जैन समुदाय का सबसे बड़ा तीर्थ है। सम्मेद शिखर जी को पर्यटन की सूची में शामिल करने को लेकर समाज में गुस्सा है. राज्य सरकार के फैसले के खिलाफदेश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं। समुदाय के सदस्य पारसनाथ हिल्स में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के राज्य सरकार के कदम का विरोध कर रहे हैं। सम्मेद शिखरजी को लेकर देशभर में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों की जड़ हाल ही में केंद्र और झारखंड सरकार की ओर से जारी किया गया एक नोटिस है।

पोस्टिंग के बाद ज्वाइनिंग नहीं लेने वाले डॉक्टरों पर सरकार की बड़ी कार्रवाई

89 अफसरों पर गिरेगी गाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पोस्टिंग के बाद भी ज्वाइनिंग नहीं लेने वाले मेडिकल अफसरों पर सरकार ने बड़ी कार्रवाई की तैयारी की है। राज्य के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में पदस्थ किए गए एमबीबीएस अनुबंधित चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने अपने पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया है, उनके विरूद्ध बॉण्ड की संपूर्ण राशि की वसूल की जाएगी।

बता दें स्वास्थ्य विभाग द्वारा 9 नवम्बर 2022 को 212 एमबीबीएस अनुबंधित चिकित्सा अधिकारियों को अपने पदस्थापना स्थल में पांच दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण करने अंतिम अवसर प्रदान करने के लिए सूचना (Notice) जारी की गई थी। इसके परिपालन में 212 में से 123 अनुबंधित चिकित्सा अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दे दी है। परंतु 89 अनुबंधित चिकित्सा अधिकारी अभी भी अनुपस्थित हैं।

राज्य शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग के छत्तीसगढ़ चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा (फिजियोथैरेपी) स्नातक प्रवेश नियम के अनुसार बॉण्ड की शर्तों का अनुपालन नहीं करने वाले अनुपस्थित चिकित्सकों के विरूद्ध बॉण्ड की संपूर्ण राशि की वसूली की कार्रवाई भू-राजस्व की बकाया राशि के रूप में की जाएगी। राज्य मेडिकल काउंसिल में एमबीबीएस स्नातक योग्यता का स्थायी पंजीयन अभ्यर्थी को प्रदान की गई अंतिम डिग्री के आधार पर ही किया जाएगा।

डिग्री के लिए अभ्यर्थी को अपने महाविद्यालय के अधिष्ठाता को अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिनकी अनुशंसा पर विश्वविद्यालय द्वारा अंतिम डिग्री प्रदान की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस संबंध में कार्रवाई किए जाने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग के संचालक, मेडिकल कांउसिल के रजिस्ट्रार एवं आयुष युनिवर्सिटी उपरवारा, नया रायपुर के अधिष्ठाता को पत्र लिखा गया है। बॉण्ड की शर्तों का पालन नहीं करने वाले अनुबंधित चिकित्सा अधिकारियो के विरूद्ध वसूली की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

20 से 25 लाख रुपए देना होगा जुर्माना

छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार बॉन्ड पूरा नहीं करने पर जुर्माना अलग अलग तय किया गया है। यह जुर्माना आनारक्षित वर्ग के लिए 25 लाख और आरक्षित वर्ग के लिए 20 लाख रुपए है। बताया जा रहा है बॉन्ड पूरा नहीं करने वालों में अधिकतर अन्य राज्यों से हैं। यह सभी ऑल इंडिया कोटे के तहत एडमिशन लेने के बाद वे कोर्स पूरा करते हैं। MBBS और मेडिकल के पाठ्यक्रम में प्रवेश के समय प्रत्येक विद्यार्थी को सरकार के साथ एक बॉन्ड भरना होता है। जिसमें यह तय किया जाता है कि कोर्स पूरा करने के बाद डॉक्टर को दो वर्ष तक ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी अस्पतालों में काम करना होता है। सरकार द्वारा नए डॉक्टरों को संविदा नियुक्ति दी जाती है।

अजम प्रेम की गजब कहानी

पति को छोड़ दामाद संग भागी सास, ससुर ने दर्ज कराया केस

जयपुर (एजेंसी)। प्यार के भी रंग हजार हैं। किसे कब किससे प्यार हो जाए बताया नहीं जा सकता। अंधे प्यार की एक हैरान करने वाला मामला राजस्थान के सिरोही में सामने आया है। यहां एक महिला को अपने दामाद से प्यार हो गया। प्यार भी ऐसा कि वह अपने पति को छोड़ दामाद के साथ फरार हो गई। खासबात यह है कि महिला चार बच्चों की मां है और उसके दामाद के भी तीन बच्चे हैं। इस मामले में महिला के पति ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने केस दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार सिरोही जिले के अनादरा थाना क्षेत्र के सियांकारा गांव के रहने वाले रमेश जोगी ने थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी का पति उसकी पत्नी को भगा कर ले गया है। रमेश ने पुलिस को यह भी बताया कि बेटी की शादी पास के ही मामावली गांव के रहने वाले नारायण जोगी के साथ हुई थी। 30 दिसंबर को दामाद नारायण घर आया था। पहले उसने ससुर क साथ शराब पी और जब ससुर सो गया तो सास को लेकर फरार हो गया।

बोतल लेकर पहुंचा था ससुराल

बताया ज रहा है दामाद नारायण 30 दिसंबर को शराब की बोतल लेकर ससुराल पहुंचा। यहां नारायण ने ससुर रमेश के साथ बैठकर शराब पी। ज्यादा नशा होने पर रमेश सो गया। शाम चार बजे जब रमेश उठा तो देखा की उसकी पत्नी और दामाद नारायण घर पर मौजूद नहीं हैं। काफी तलाश के बाद भी दोनों का पता नहीं चला तो एक जनवरी को रमेश ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। दामाद के साथ फरार सास तीन बेटी और एक बेटे की मां है और सभी की शादियां भी हो चुकी हैं। वहीं दामाद नारायण के भी 3 बच्चे हैं।

भारतीय विज्ञान कांग्रेसः पीएम मोदी बोले-साइंटिफिक अप्रोच के साथ बढ़ रहा भारत, हमारी ओर देख रही दुनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय विज्ञान कांग्रेस को संबोधित किया। उन्होंने कहा, भारत अगले 25 वर्षों में जिस ऊंचाई पर होगा, उसमें भारत की वैज्ञानिक शक्ति की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा, साइंस में पैशन के साथ जब देश की सेवा का संकल्प जुड़ जाता है तो नतीजे भी अभूतपूर्व आते हैं। आज का भारत जिस साइंटिफिक्र अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा है, हम उसके नतीजे भी देख रहे हैं। साइंस के क्षेत्र में भारत तेजी से विश्व के टॉप देशों में शामिल हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, इस बार भारतीय विज्ञान कांग्रेस की थीम भी एक ऐसा विषय है जिसकी दुनिया में सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। दुनिया का भविष्य सस्टेनेबल डेवलमेंट के साथ ही सुरक्षित है। आपने सस्टेनेबल डेवलमेंट के विषय को महिला सशक्तिकरण के साथ जोड़ा है। आज देश की सोच केवल यह नहीं है कि साइंस के ज़रिए महिला सशक्तिकरण हो, बल्कि महिलाओं की भागीदारी से साइंस का भी सशक्तिकरण करें। साइंस और रिसर्च को नई गति दें, यह हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा, अभी भारत को जी-20 अध्यक्षता की जिम्मेदारी मिली है। जी-20 के प्रमुख विषयों में भी वुमन लीड डेवलपमेंट एक बड़ी प्राथमिकता का विषय है।

लैब से निकलकर जमीन तक पहुंचें प्रयास

पीएम मोदी ने कहा, विज्ञान के प्रयास बड़ी उपलब्धियों में तभी बदल सकते हैं, जब वो लैब से निकलकर लैंड (जमीन) तक पहुंचे। जब उसका प्रभाव ग्लोबल से लोकर ग्रासरूट तक हो, जब उसका विस्तार जर्नल्स से लेकर जमीन तक हो। जब उससे बदलाव रिसर्च से होते हुए रियल लाइफ में दिखने लगे। उन्होंने कहा, भारत की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, भारत में विज्ञान का विकास, हमारे वैज्ञानिक समुदाय की मूल प्रेरणा होनी चाहिए। भारत में विज्ञान भारत को आत्मनिर्भर बनाने वाली होनी चाहिए।

आठ सालों में देश ने किए असाधारण काम

पीएम मोदी ने कहा, बीते आठ वर्षों में भारत ने गवर्नेंस से लेकर समाज और अर्थव्यवस्था तक कई ऐसे असाधारण काम किए हैं, जिनकी आज चर्चा हो रही है। पिछले आठ वर्षों में एक्सट्रा मोरल रिसर्च एंड डेवलपमेंट में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हुई है। महिलाओं की ये बढ़ती भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि समाज भी आगे बढ़ रहा है और साइंस भी आगे बढ़ रही है।

क्योंकि संविधान इसकी इजाजत नहीं देता

श्रीकंचनपथ

देश के संविधान की नजर में हमारी सबकी पहचान एक ही है. भारतीय नागरिक. हमारा झंडा एक है, राष्ट्रगीत भी एक है, राष्ट्रगान भी एक ही है. राष्ट्रीय पशु, पक्षी, फूल और फल भी एक है. हमारी केवल भाषा अलग-अलग है और हम भिन्न-भिन्न राज्यों से आते हैं. पर ये सभी राज्य और भाषाएं भारत की हैं. हम मंदिर जाते हैं, मस्जिद जाते हैं, चर्च जाते हैं या गुरुद्वारा, इससे हमारी पहचान नहीं की जा सकती. यह हमारी व्यक्तिगत आस्था का प्रश्न है. यहां तक कि हमारे राज्य और हमारी भाषा भी हमारी पहचान नहीं है. हम केवल भारतीय हैं. यही हमारी पहचान है. वैसे देश के भीतर हम अपने आपको भारतीय कम ही कहते हैं. इसकी जरूरत भी नहीं पड़ती. इसलिए यहां हम अपने-अपने राज्यों के नाम से भी जाने जाते हैं. दोस्तों के बीच हम एक दूसरे को बंगाली, बिहारी, मराठी, सरदार कह सकते हैं, कहते हैं पर यदि उसे इसपर आपत्ति हो तो तत्काल माफी मांग कर बात को खत्म कर देना चाहिए. छत्तीसगढ़ विधानसभा में भी यही हुआ. विधायक चाहे किसी भी पार्टी के हों, आपस में अच्छे दोस्त भी होते हैं. पर दोस्तों के बीच जिस भाषा का इस्तेमाल किया जाता है, उसका उपयोग कदाचित विधानसभा में नहीं किया जाना चाहिए. विधानसभा में वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र से ज्यादा अपने-अपने दलों का प्रतिनिधित्व करते हैं. इनकी अपनी-अपनी पार्टी लाइन होती है. कब, कौन, किस बात का बुरा मान जाएगा, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है. इसलिए वाणी पर संयम बेहद जरूरी होता है. इस बार सिख समाज ने बुरा माना. जिसकी गलती थी उसने और जिसकी गलती नहीं थी उसने भी लिखित में माफी मांग ली. 'आपको बुरा लगा, हम माफी मांगते हैं. हमारी मंशा आपकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने की नहीं थी. हमारे दिल में आपके लिए बहुत सम्मान है.'- बस इतनी सी बात थी. समय पर माफी मांग ली गई और मुद्दा शांत हो गया. कुछ समय पहले तक सभी दलों के नेता इफ्तार की दावत खाया करते थे. रावणदहन के कार्यक्रम में भी सभी पंथ के लोग शामिल होते थे. गुरुद्वारे में साथ-साथ अरदास करते थे. पर उनकी यह कवायद देश को कोई संदेश नहीं दे पाई. वक्त ऐसा बदला कि अब लोग झटका और हलाल में फर्क करने लगे हैं. दरअसल, इसकी बुनियाद में हमारी शिक्षा व्यवस्था है. स्कूल में बच्चे का दाखिला कराते समय जन्मतिथि, माता-पिता के नाम और पता के साथ ही जाति भी दर्शाना होता है. यहां मनुष्य जाति हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई के रूप में बंट जाती है. शांतिकाल में तो हम इन शब्दों का उपयोग हूबहू कर सकते हैं पर जैसे ही कोई विवाद खड़ा होता है, हमारी जुबान तालू से चिपक जाती है. फिर हम बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक वाली भाषा बोलना शुरू कर देते हैं. सवाल यह उठता है कि- 'मैं भारतीय, तू भी भारतीय, फिर अल्पसंख्यक कौन?'

हर्ष मीडिया एडवरटाईजर्स के
बढ़ते कदम....

LED SCREEN
के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए
संपर्क करे

शॉप-12, प्रेस परिसर, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
शहीद भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

अब राजधानी रायपुर सहित
पूरे प्रदेश में....

- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- भगत सिंह चौक, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर
- जयस्तंभ चौक, सिन्धु सदन, किरण होटल, रायपुर, जिला-रायपुर
- संदेश बन्धु बिल्डिंग परिसर, वीआईपी चौक मोड, वार्ड क्रमांक-51, तेलीबांधा, रायपुर, जिला-रायपुर
- पचपेड़ी नाका चौक, रायपुर, जिला-रायपुर
- मिलन स्वीट्स, रेलवे स्टेशन चौक, रायपुर
- नेशनल हाईवे-53, पावर हाउस रेलवे स्टेशन, भिलाई, जिला-दुर्ग
- पाटन पुल,उतई (मा. मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र), जिला-दुर्ग
- आकाशगंगा चौपाटी, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग
- सिरसा गेट चौक, भिलाई-3, जिला दुर्ग
- अग्रसेन चौक, बिलासपुर, जिला - बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, टिकट काउंटर के सामने, गेट नं.-03, बिलासपुर
- बिलासपुर रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म नं.-01, गेट नं.-04, बिलासपुर
- पड़ाव चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली
- दाऊपारा चौक, मुंगेली, जिला-मुंगेली

Harsh Media Advertisers

Contact_-
9303289950
9131425618
9827806026

संपादकीय

नोटबंदी पर फैसला

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने नोटबंदी के फैसले की पुष्टि करके एक पुरानी बहस को मानो विराम देने की कोशिश की है। 2016 में हुई नोटबंदी को आज भी अनेक आलोचक पचा नहीं पाए हैं और इसकी आलोचना के लिए मंच तलाशे जाते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी ऐसी ही कोशिश हुई थी, जिस पर सबकी निगाह थी। सोमवार को 4-1 के बहुमत से सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की नोटबंदी नीति की पुष्टि कर दी है। याद रहे, नोटबंदी या विमुद्रीकरण का वह बड़ा फैसला बहुत प्रभावी रहा था, जिसके तहत एक झटके में 500 और 1,000 रुपये के नोट चलन से बाहर कर दिए गए थे। संविधान पीठ में न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति एस ए नजीर, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यन एकमत थे, जबकि न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना का पक्ष अलहदा था। बहुमत के फैसले से वह सहमत नहीं थीं। वास्तव में, सरकार के इस फैसले में अदालत को कोई कानूनी या प्रक्रियागत खामी नजर नहीं आई है। अदालत में पेश दस्तावेजों के अनुसार, यह फैसला लेने से पहले केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के बीच पर्याप्त विचार-विमर्श हुआ था। नोटबंदी के प्रस्ताव को केवल इसलिए गलत नहीं ठहराया जा सकता कि यह प्रस्ताव केंद्र सरकार की ओर से आया था। केंद्र सरकार को फैसले लेने का हक है और सरकार ने फैसला लागू करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक से विचार-विमर्श किया है। अदालत के फैसले की कुल ध्वनि यही है कि सरकार ऐसे किसी भी नीतिगत फैसले के लिए सक्षम है। चूंकि सरकार ने पुराने नोट बदलने के लिए लोगों को 52 दिन का समय दिया था, इसलिए उंगली उठाने का कोई खास आधार अदालत को नजर नहीं आया। ध्यान रहे कि जब 1978 में नोटबंदी हुई थी, तब महज आठ दिन का समय दिया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी फैसले का बचाव करते हुए कहा कि फैसला मनमाना नहीं था। वह एक वैध मकसद और बेहतर विश्वास के साथ की गई कार्रवाई थी। मतलब, केंद्र सरकार के साथ-साथ रिजर्व बैंक भी जब नोटबंदी के पक्ष में आ गया, तो सर्वोच्च न्यायालय के लिए फैसला लेना आसान हो गया। वास्तव में, न्यायालय का काम केवल यह देखना होता है कि कानून या संविधान की पालना हुई है या नहीं। किसी नीति से किसी को लाभ या हानि संभव है, इस आधार पर उसके कानून सम्मत होने या नहीं होने का फैसला नहीं हो सकता। फिर भी ध्यान देने की बात है कि न्यायमूर्ति नागरत्ना ने इस फैसले को गैर-कानूनी करार दिया, इसे कानूनी और प्रक्रियात्मक मानदंडों का उल्लंघन करार दिया। उन्होंने तो परामर्श प्रक्रिया को भी संदिग्ध ठहरा दिया। बैंकों के केंद्रीय बोर्ड के विपरीत दृष्टिकोण की चर्चा न्यायमूर्ति नागरत्ना ने की है। कुल मिलाकर, ऐसा वर्ग हमेशा रहेगा, जो यह मानेगा कि नोटबंदी से घोषित उद्देश्य हासिल नहीं हुआ। 500 और 1,000 रुपये के नोट बाहर हुए, तो 2,000 रुपये का नोट चलन में आ गया। दो बड़े नोटों को चलन से बाहर किया गया, तो उससे भी बड़े नोट को चलन में लाया गया। वाकई, नवंबर, 2016 के पहले के दौर में हम नहीं लौट सकते, लेकिन पुराने फैसलों से सीख जरूर सकते हैं। यह अब इतिहास है कि 2016 के फैसले के खिलाफ तीन दर्जन से अधिक याचिकाएं दायर की गई थीं, लेकिन अब सर्वोच्च अदालत के फैसले के बाद नीतिगत निर्णय संबंधी आपत्तियों का पटाक्षेप हो जाना चाहिए और देश को आगे देखना चाहिए।

> “ बैंकों के केंद्रीय बोर्ड के विपरीत दृष्टिकोण की चर्चा न्यायमूर्ति नागरत्ना ने की है। कुल मिलाकर, ऐसा वर्ग हमेशा रहेगा, जो यह मानेगा कि नोटबंदी से घोषित उद्देश्य हासिल नहीं हुआ। 500 और 1,000 रुपये के नोट बाहर हुए, तो 2,000 रुपये का नोट चलन में आ गया। दो बड़े नोटों को चलन से बाहर किया गया, तो उससे भी बड़े नोट को चलन में लाया गया।

अतीत की आवाजें

अक्सर लोग वीरान, उजड़े खंडहरों या लंबे अरसे से खाली पड़े मकानों से देर रात विचित्र आवाजें सुनने के दावे करते हैं। इन आवाजों को भूत-प्रेत या जिन्नात की आवाजें मान लोग ऐसी जगहों के आस-पास जाने से भी डरते हैं। ऐसे दावे बिल्कुल गलत या अवैज्ञानिक नहीं होते। बस हम उन्हें समझ नहीं पाते। वीरानों में उठने वाली अनजानी आवाजें भूत-प्रेत या जिन्न की नहीं होतीं। भूत-प्रेत की देह और इंद्रिय ही नहीं होतीं, तो बेचारे शोर कैसे मचाएंगे? वस्तुत ये आवाजें वैज्ञानिक सच हैं। आवाज एक ऊर्जा है, जो कभी नष्ट नहीं होती। बस समय के साथ इनकी तीव्रता कम से कमतर होती चली जाती है। शोरगुल वाली जगहों से ज्यादा तीव्रता से ये वीराने में मौजूद होती हैं। हम इन्हें नहीं सुन पाते, क्योंकि हमारे कान एक खास वेवलेंथ तक की आवाज सुनने के लिए ही बने हैं। इससे नीचे की आवाज को सबसोनिक और ऊपर की आवाज को सुपरसोनिक कहते हैं। ऐसी आवाजें हमारे हर तरफ तैर रही हैं। जिन सुपरसोनिक आवाजों को हम नहीं सुन पाते, उन्हें पकड़ और परिवर्तित कर रेडियो-टेलीविजन हमें सुनाते ही हैं। अतीत की ध्वनियां सबसोनिक होती हैं। अब ऐसे उपकरण बनने लगे हैं, जिनकी मदद से हम वर्षों या सैकड़ों साल पुरानी ध्वनियों को सुन सकते हैं और रिकॉर्ड भी कर सकते हैं। वैसे, अतीत की इन आवाजों को बिना किसी यंत्र चेतना का स्तर बदलकर भी सुना जा सकता है। चेतना का वह स्तर, जो छोटे बच्चों, मासूम लोगों और सिद्ध योगियों का होता है। इस स्तर को पाने के लिए ध्यान की लंबी प्रक्रिया से गुजरना होता है। यह श्रमसाध्य है, पर असंभव नहीं। हजारों वर्ष से योगी अतीत की आवाजों को सुनने के दावे करते रहे हैं। कभी-कभी तो भविष्य की आवाज को भी। ये दावे खोखले भी नहीं, क्योंकि यदा-कदा हमलोगों को ऐसे अनुभव होते ही हैं। हम बस उन्हें समझ नहीं पाते या नजरअंदाज कर देते हैं। कभी-कभी थकावट या हल्की झपकी के कारण कुछ पलों के लिए जब हम अपनी चेतना का अतिक्रमण कर जाते हैं, तो ये ध्वनियां हमें अनायास सुनाई दे जाती हैं। मगर हम उन्हें भ्रम मानकर भूल जाते हैं। अतीत की आवाज की यह तिलिस्मी दुनिया अब रहस्य नहीं रही। देश-दुनिया में जुनूनी वैज्ञानिकों की एक बड़ी संख्या अत्याधुनिक इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक उपकरणों की मदद से माजी की विलुप्त आवाजों को सुनने और उन्हें रिकॉर्ड करने में जुटी है। कई ने उनके अत्याधुनिक टेप रिकॉर्डर पर ऐसी आवाजें सुनी हैं। तो भविष्य में कभी सन्नाटे में रहस्यमयी आवाजें आपको सुनाई दे जाएं, तो डरें नहीं। न तो ये हमारी शत्रु हैं और न उनका उद्देश्य हमें भयभीत करना या हानि पहुंचाना है। ये हमारे पूर्वजों की विलुप्त आवाजें हैं।

ध्रुव गुप्त

काश्मीर में कार्रवाई संभव

भारत द्वारा काश्मीर के प्रश्न को संयुक्त राष्ट्र संघ के सम्मुख पेश किये जाने का जम्मू और काश्मीर की सैनिक स्थिति पर बहुत महत्वपूर्ण प्रभाव होने की संभावना है। सैनिक क्षेत्रों से सम्पर्क रखने वाले सूत्रों का अनुमान है कि जम्मू क्षेत्र में सैनिक कार्रवाई बढ़ा दी जायेगी। बड़े दिन की रात को आक्रमणकारियों ने जो चालें चली थीं, उनसे यह संभव मालूम होता है कि हत्यारे आज या कल कोई दूसरा बड़ा हमला करके नव वर्ष की भेंट चुकाना चाहते हैं। किसी भी हालत में भारतीय सेनाएं सब परिस्थितियों का मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। नई दिल्ली के राजनैतिक और सैनिक क्षेत्रों में अनुमान लगाया जा रहा है कि भारत द्वारा काश्मीर के प्रश्न को सं.रा. संघ के सम्मुख ले जाने के निर्णय की पाकिस्तान में क्या प्रतिक्रिया होगी। ऐसा विश्वास किया जाता है कि शायद आक्रमणकारी सं.रा. संघ में बहस होने के पहले ही सैनिक बल पर फैसला करना चाहेंगे। दूसरा अनुमान यह है कि पाकिस्तान अपनी प्रत्यक्ष सहायता में कमी कर देगा। अब तक के तमाम लक्षणों से पहली कार्रवाई की संभावना ही मालूम होती है। विगत 24 घण्टों में स्यालकोट की ओर से जम्मू में नये आक्रमण हुए हैं।

> “ पहले की जीवनशैली, रहन सहन और आपसी सरोकार भी पूर्णतः परिवर्तित हो गये। अब धीरे-धीरे सामाजिक सम्बन्ध-सरोकार की नेटवर्किंग, सूचना प्रौद्योगिकी के नेटवर्क से प्रभावित होने लगे।

समसामयिक डिजिटल युग, समाज और हम

ओम प्रकाश मिश्रा

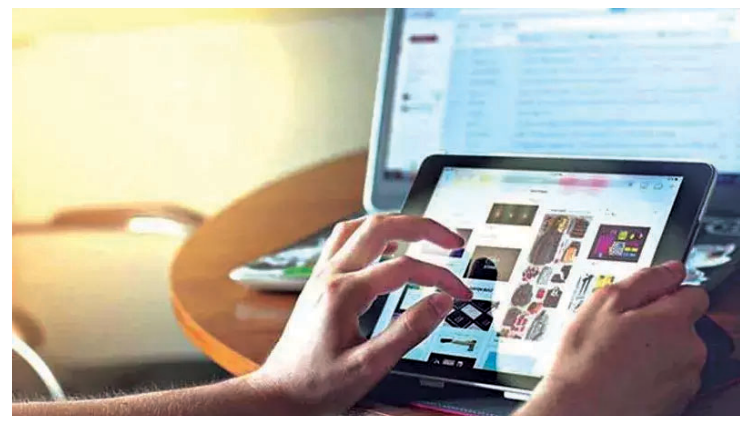

बीसवीं शताब्दी के अन्त में, समस्त विश्व में एक नई प्रौद्योगिकीय क्रान्ति का पदार्पण हुआ। प्रौद्योगिकी से भौगोलिक दूरियां समाप्त हो गई। इसके पहले की जीवनशैली, रहन सहन और आपसी सरोकार भी पूर्णतः परिवर्तित हो गये। अब धीरे-धीरे सामाजिक सम्बन्ध-सरोकार की नेटवर्किंग, सूचना प्रौद्योगिकी के नेटवर्क से प्रभावित होने लगे। समाज का एक हिस्सा यह मानता है कि मानव-समाज-राष्ट्र व अखिल विश्व का कल्याण केवल तकनीकी प्रगति से ही संभव हो सकता है। यही वर्ग भौतिक सफलताओं को, मानव की प्रगति व कल्याण का आधार भी समझता है। इस वैभव/सम्पन्नता की अंधी दौड़सऔर गलाकाट प्रतियोगिता से जनित विलासपूर्ण जीवन ही सब कुछ यही वर्ग समझता है। उनके लिए जीवन के शाश्वत मूल्यों के लिए कोई महत्व नहीं है।

एक अत्यन्त विचित्र समय का आजकल अनुभव हो रहा है। एक तरफ प्रौद्योगिकीय सफलताओं को गगन चुंबी महत्वाकांक्षाओं का केन्द्र बनाया गया हैं। दूसरी तरफ, मनुष्य के मूलभूत जीवन मूल्यों, आदर्शो का ध्यान कम आता है। हम अक्सर भूल जाते हैं कि मनुष्य का पहला आविष्कार अग्नि, हमें प्रकाश दे भी सकती है और वही अग्नि हमें जला भी सकती है। यही व्याख्या सभी महत्वपूर्ण आविष्कारों पर समझी जा सकती है। परमाणु ऊर्जा आदि का भी उपयोग करके मानव कल्याण व समाजहित होता है, परन्तु इनके दुरूपयोग का प्रयास करके विध्वंस व मानव सभ्यता का नाश भी किया जा सकता है। इस हेतु सम्यक् विवेक एवं सद्बुधि से ही इन आविष्कारों एवं सूचना प्रौद्योगिकी का भी उद्देश्य पूर्ण सदुपयोग किया जा सकता है। समाज को इस दिशा में विचार करना ही होगा।

डिजिटल युग

आज जिस युग में रह रहे हैं, उसे डिजिटल युग कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगा। आज हमारा समाज और हम सभी अपने बहुत सारे कार्यो के लिए डिजिटल माध्यम पर बहुत हद तक निर्भर है। डिजिटलाइजेशन ने हमारे जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। कठिन और कठिन और असम्भव लगने वाले कार्य भी, डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग से, सुचारू और सुगमता पूर्वक किए जा सकते है। डिजिटल प्रौद्योगिकी ने समाज की कार्यशैली को अनेकों स्तर पर, आमूलचूल रूप से परिवर्तित किया है। इन्टरनेट मीडिया के अनेक प्लेटफार्मों का उपयोग करके हम गर्व की भी अनुभूति करते है।

कोरोना महामारी के काल में, एक तरह से नये डिजिटल युग का प्रार्दुभाव हुआ। विद्यार्थीगण, विद्यालय नहीं जा सकते थे, लॉकडाउन के समय, ऑनलाइन कक्षाओं ने शिक्षण की व्यवस्था चालू रखी। इन उपायों से, बहुत सारी कम्पनियों व अनेक सरकारी कार्यालयों का भी कुछ कार्य डिजिटल माध्यम से हुआ। निश्चिततः डिजिटल प्रौद्योगिकी के द्वारा शिक्षा-व्यवस्था, सरकारी कार्यालयों, कम्पनियों आदि के कार्य चलते रहने से, अर्थव्यवस्था एवं विकास की यात्रा पर बहुत ज्यादा प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा।

डिजिटल प्रौद्योगिकी में हमारी जीवनशैली

डिजिटल प्रौद्योगिकी, से हमारी जीवनशैली में प्रत्यक्ष एवं सकारात्मक परिवर्तन हुये हैं। जो कार्य करने में पहले घंटों लगते थे, अब कुछ मिनटों में होना आरंभ हुआ। रेलवे में आरक्षण में समय की बचत, हम सबके सामने हैं। चाहे देश कायविकास हो या व्यक्ति का विकास हो, तकनीक निश्चिततः लाभप्रद होती हैं। टेक्नॉलॉजी के कई नये नये आयाम, जैसे आर्टिफसियल इन्टेलिजेन्स, रोबोटिक्स, आदि-आदि हमारी जीवनशैली में प्रवेश कर रहे हैं।

आज खरीदारी, बिल भरना आदि कार्य बहुत आसान हो गया हैं। स्मार्टफोन के माध्यम से दवाइयों की टाइमर सेटिंग से दवा लेने की याद दिलायी जाती हैं। वस्तुतः हमारा मस्तिष्क यंत्र की तरह से कार्य करता हैं, परन्तु मस्तिष्क और हृदय की कार्यप्रणाली में अन्तर होता है। जब हम आत्महीन,हृदयहीन और भावहीन शब्दों को अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं तो उसका स्थायी प्रभाव नहीं होता।

शिक्षा प्रणाली पर दृष्टि डालने पर हमारा अनुभव है कि जब एक शिक्षक, अपने विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करते समय,सविद्यार्थियों का ध्यान उस विषय पर पढ़ातें समय, शिक्षक के शब्द-उच्चारण के साथ ही साथ, उसकी प्रस्तुति का तरीका, भाव भंगिमायें, विद्यार्थियों के मन व मस्तिष्क पर अमिट प्रभाव छोड़ती है। खासकर कुछ प्रभावी शिक्षकों के शब्द व विषय टेप की भाँति मस्तिष्क में दर्ज रहतें हैं। कुछ रूचिकर विषयों पर अध्यापकों के क्लास रूम में पढ़ाये गये टॉपिक स्थायी रूप से जीवन भर नहीं भूलते हैं।

भारतीय परम्परा में गुरू या शिक्षक का महत्व अत्यन्त अधिक है। प्राचीन काल में ज्यादातर शिक्षा की वाचिक परम्परा थी,पीढ़ियों से यह ज्ञान की वाचिक परम्परा चलती रहती थी। श्लोकों व उनकी व्याख्या, क्रमबद्ध तरीके से पीढ़ियों से पीढ़ियों तक ज्ञान को सुरक्षित व संरक्षित रहा। भारतीय परम्परा में, गुरू के ज्ञानात्मक, विचारात्मक एवं भावनात्मक, तीनो प्रकार के प्रभाव से प्रभावित होकर शिष्य संस्कारवान होता है।

डिजिटल प्रौद्योगिकी की खामियां

वस्तुतः डिजिटल माध्यम से कोई इंजीनियर या डॉक्टर आदि बन सकता है, परन्तु संस्कार तो गुरू से प्रत्यक्षतः ही मिल सकता है। याद करिए ''दरस-परस'' की हमारी परम्परा, मिलने-जुलने से लोगों में जो आत्मीय भाव पैदा होता है, वह वीडियो कॉलिंग के माध्यम से कभी नहीं हो सकता है। डिजिटल प्रौद्योगिकी कई बार हमें हृदयहीन, उदासीन, एवं स्वयं केन्द्रित भी बना रही है।

आज अनेक लोग फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, वीडियोगेम आदि में इतने ज्यादा व्यस्त हो जाते हैं, कि ऐसा लगता है कि उन्हें यह व्यसन जैसा हो गया है। स्थिति तो यह हो गयी है कि एक ही घर-परिवार के लोग, एक ही छत के नीचे होते हुये भी आपस में बहुत कम बात करते है। परस्पर संवाद की मात्रा परिवारजनों में कम होती जा रही है। जब लोगों की नींद, रात्रि में खुलती है तो मोबाइल उठाकर देखते हैं और अलग-अलग साइट पर स्क्रोलिंग शुरू कर देते हैं। अब लाइक व कमेंट में इतने व्यस्त हो जा रहें है कि दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ही उसे बना लिए है। हमारा दैनिक जीवन भी आज डिजिटल मक्कड़जाल में फंसता जा रहा है।

आदिकाल से ही यह शाश्वत सत्य यह है कि हर चीज के दो पहलू होते हैं। यह गुण व लाभ भी दे सकते हैं और अवगुण या नुकसान भी हो सकता है। यह तथ्य सदैव मनोमस्तिष्क में रखना चाहिए। वस्तुतः डिजिटल संसाधनों का प्रयोग आवश्यकतानुसार ही किया जाना चाहिए। आज जबकि कोरोना काल समाप्त हो चुका हैं, फिर भी हम स्क्रोलिंग के मक्कड़जाल में उलझे हैं। कई बार ऐसा देखा जा सकता है कि बहुत से लोग इण्टरनेट मीडिया के किसी प्लेटफॉर्म पर किसी कार्य के लिए जाते हैं, फिर उसके बाद इधर-उधर की चीजों में समय खराब करते हैं। जिन चीजों या जानकारी की उन्हें जरूरत ही नहीं होती है, उसे खंगालने में लग जाते हैं। इस कारण उनका स्क्रीन पर बिताया गया समय बढ़ता जाता हैं। यदि आजकल की कुछ घटनाओं पर ध्यान दें तो हम निस्संदेह कह सकते हैं कि डिजिटल माध्यमों का सदुपयोग कम और दुरूपयोग ज्यादा हो रहा है।

डिजिटल प्रौद्योगिकी का दुरूपयोग

इसका दुरूपयोग यहां तक हो रहा है कि बहुत से लोगों को चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन, बेचैनी,यएकाग्रता में कमी, उग्रस्वभाव, लोगों के साथ व्यवहार में रूखापन दिखायी पड़ता है। इसके अतिरिक्त नेत्रों में कष्ट व बीमारियाँ भी कुछ लोगों में दिखायी पड़ती हे। खासकर छोटे-छोटे बच्चों में भी नेत्रों के कष्ट बढ़ रहें हैं, यह अत्यन्त चिन्ताजनक स्थिति है। आजकल ऐसा भी देखा जा रहा है कि तीन-चार साल तक के छोटे बच्चों को दूध, नाश्ता, खाना इत्यादि देने के लिए, उन्हे मोबाइल दिखाया जाता हैं, मोबाइल दिखाते-दिखाते नाश्ता, दूध, भोजन का सेवन कराना, तात्कालिक रूप से ही नहीं वरन् बच्चे के पूरे जीवन हेतु इस व्यसन का आरम्भ कराया जा रहा है। घर के सदस्य अपने कार्य में व्यस्त रहते हैं तो छोटे बच्चे को मोबाइल पकड़ाकर, कौन सी आदत उनमें विकसित की जा रही है? यह सोचनीय विषय है। संवेदना का प्रश्न, हरेक रिश्ते में अत्यन्त महत्वपूर्ण है। घर, परिवार, समाज सभी संवेदनाओं के बिना सुचारू रूप से चल ही नहीं सकते है। संवाद में कमी और संवेदनहीनता से घर,यपरिवार और समाज सभी में विश्रंखलन हो सकता है। इसलिए सभी को सजग रहने तथा खासकर नई पीढ़ी को समझाने की आवश्यकता है। हमारी पीढ़ी की चिन्ता है कि बच्चे मोबाइल, कम्प्यूटर,यलैपटाप मिलने के कारण, बच्चों का आपस में बातचीत करना, खेलना-कूदना आदि भूलते जा रहे हैं।

भारत के लिए कितनी कारगर है अप्रेन्टिसशिप?

अतुल कुमार तिवारी, सचिव, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

भारत में अप्रेन्टिसशिप पर जब भी कोई चर्चा होती है तो अक्सर हमारी तुलना जर्मनी और ऐसी ही अन्य विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों के साथ की जाती है। ऐसे विकसित देशों में कम बेरोजगारी दर और औद्योगिक कार्यबल की अधिक उत्पादकता का श्रेय अप्रेन्टिसशिप को दिया जाता है। मार्च 2020 में डीएफआईडी (अब एफसीडीओ) के लिए डालबर्ग द्वारा किए गए एक अध्ययन ने विभिन्न सेक्टर्स में नियोक्ताओं के लिए भारत जैसे विकासशील देशों में भी लाभ-लागत अनुपात को 1.3 से 1.9 गुना तक रखा है। इस प्रकार एक आम धारणा यह बनती है कि काम करते हुए सीखते रहने के कारण अप्रेन्टिसशिप, शिक्षित होते हुए रोजगार उन्मुख होने का सबसे अच्छा रास्ता है।

माना जाता है कि जर्मनी में 4 प्रतिशत और यूनाइटेड किंगडम में 1.7 प्रतिशत कार्यबल की तुलना में, भारत में केवल 0.1त्न कार्यबल ही अप्रेन्टिसों के रूप में काम कर रहा है। अप्रेन्टिस की इतनी कम दर ही बड़े पैमाने पर भारत में अनौपचारिक सेक्टर के लिए जिम्मेदार हैं। एक अनुमान है कि हमारे यहां 46.6 करोड़ कामगारों (पीएलएफएस 2017-18) में से लगभग 37.5 करोड़ (80.47 प्रतिशत) कामगार अनौपचारिक सेक्टर में काम करते हैं। इसके अलावा, शिल्प और कौशल पर आधारित अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा असंगठित सेक्टर में आता है।

यहां तक कि भारत में लगभग 9 करोड़ औपचारिक कार्यबल में से 2 करोड़ से भी कम कार्यबल ऐसे उद्यमों में काम करता है जो 30 या अधिक नियोक्ताओं वाले उद्यम हैं। उद्यम का आकार जितना बड़ा होता है, ट्रेनी और अप्रेन्टिस के लिए वहां नए पदों पर काम करने की सम्भावनाएं उतनी ही अधिक बढ़ जाती हैं। एक उदाहरण के लिए, जर्मनी में 21 लाख कंपनियों में 21.7त्न कम्पनियां लगभग 10 कर्मचारियों वाली थीं। लेकिन लगभग 20.3त्न कम्पनियां जर्मनी में ट्रेनी को नए पद ऑफ़र करती हैं। और यह हिस्सेदारी 1 से 9 कर्मचारियों वाले उद्यमों में लगभग 12 प्रतिशत है जबकि यही हिस्सेदारी 500 से अधिक कर्मचारियों वाले उद्यमों में बढ़कर 81.3त्न हो जाती है। भारत में 9 से अधिक कर्मचारियों वाले उद्यम (या अप्रेन्टिसशिप एक्ट, 1961 के अर्थ के भीतर प्रतिषठानों) का अनुपात देखा जाए तो यह 5.85 करोड़ प्रतिष्ठानों के लिए सिर्फ 1.4 प्रतिशत है। यह एक बड़ा कारण है कि अप्रेंटिसशिप सहित मानव-पूंजी निवेश में बहुत छोटे उद्यमों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

अर्थव्यवस्था की इस पूरी बनावट के अलावा एक बात यह भी मायने रखती है कि लोगों की अप्रेन्टिसशिप के प्रति धारणा क्या है। अप्रेन्टिसशिप को जर्मनी में युवाओं की शिक्षा के एक अभिन्न अंग के रूप में देखा जाता है। ब्रिटेन में इसी अप्रेन्टिसशिप को प्रशिक्षण के साथ वेतन वाली नौकरी के रूप में देखा जाता है। जबकि कई विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में इसी अप्रेन्टिसशिप को कम दाम पर उपलब्ध श्रम के रूप में देखा जाता है। दिलचस्प बात यह है कि अप्रेन्टिसों को दिया जाने वाला स्टाइपेंड ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी, स्विटजरलैंड आदि देशों में कुशल कामगारों के मेहनताने का 20-50प्रतिशत है जोकि श्रम बाज़ार में अप्रेंटिसों के आर्थिक पक्ष को सशक्त बनाता है। भारत में अप्रेन्टिसों को मिलने वाला स्टाइपेन्ड, अर्ध-कुशल कामगारों (आइएलओ का अनुमान) के वेतन का औसतन 80 प्रतिशत होता है। इसका अर्थ यह हुआ कि एक बड़ी अर्थव्यवस्था का निर्माण करने वाले सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्योगों में लगे हुए अप्रेन्टिसों से आर्थिक रूप से मिलना वाला रिटर्न इतना आकर्षक नहीं है। इससे 'ऑप्शनल' और 'डेज़िगनेटेड' ट्रेडों, अनुबन्धों और स्टाइपेन्ड के प्रसंस्करण, अनुमोदन और निगरानी प्रक्रियाओं इत्यादि के साथ भारत में अप्रेन्टिसों का प्रबन्धन करने के लिए प्रक्रियाएं ज्यादा हो जाती हैं।

इतनी चुनौतियों के बावजूद भी, भारत में अप्रेन्टिसों की संख्या 2014-15 के 0.9 लाख से बढ़कर 2021-22 में 5 लाख से अधिक हो गई है। जैसा कि हमने ऊपर चर्चा की है, भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताओं को देखते हुए हमें भारत में अप्रेन्टिसशिप के अवसरों को 2022 के अंत तक बढ़ाकर 10 लाख और 2026 तक बढ़ाकर 60 लाख तक पहुंचाना है।

अप्रेन्टिसशिप का प्रबन्धन करने में प्रतिष्ठानों द्वारा दक्षता लाभ को बढ़ाया जाना, इस दिशा में एक अधिक नियन्त्रणीय परिवर्ती है। भारत सरकार, राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना के तहत 25 प्रतिशत या लगभग 1,500 रुपये प्रति अप्रेन्टिस तक की लागत को प्रतिष्ठानों के साथ साझा करती है। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने भौतिक दावा प्रस्तुत करने को हटाकर इसके स्थान पर प्रतिष्ठानों को स्टाइपेन्ड रिम्बर्समेन्ट में प्रक्रियागत देरी को कम करने के लिए अप्रेन्टिसशिप पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रक्रिया की अनुमति दी है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रान्सफर के माध्यम से सीधे अप्रेन्टिसों को ही स्टाइपेंड सपोर्ट देने का प्रस्ताव है ताकि लीकेज और देरी को रोका जा सके। प्रतिष्ठानों के लिए लेन-देन की लागत को और कम करने के लिए, अखिल भारतीय संचालन वाले उद्यम कई राज्यों के बजाय, एकल राज्य-स्तरीय अप्रेन्टिसशिप/कौशल इकाई के साथ जुड़ने में सक्षम होंगे। अप्रेन्टिसशिप योजनाओं के बीच डेटा साझा करने से उद्यम के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को और अधिक कारगर बनाया जा सकता है। पाठ्यक्रम के युक्तिकरण की बात की जाए तो अनावश्यक कोर्स को हटा दिया गया है और अप्रेन्टिसशिप ट्रेनिंग की अवधि को प्रतिष्ठानों और सेक्टर्स की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के विकल्पों के साथ एकसमान बनाया गया है। पाठ्यक्रम का मानकीकरण और ट्रेडों के प्रकार (डेज़िगनेटेड और ऑप्शनल) के बीच प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना, प्रतिष्ठानों को अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप अपने कोर्सों को अनुकूलित करने की अनुमति देना, ऐसे उपाय हैं जो प्रतिष्ठानों के लिए बड़ी संख्या में अप्रेन्टिसों को शामिल करना आसान बनाएंगे।

हालांकि हमारे देश में 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' निश्चित रूप से बड़ी मददगार है लेकिन हमारे सामने मुद्दा यह भी है कि देश में अप्रेन्टिसशिप का आकांक्षात्मक मूल्य किस प्रकार से बढ़ाया जाए। इसके लिए ज़रूरी है कि अप्रेन्टिसशिप से लेकर उच्च शिक्षा तक भरोसेमंद रास्ते बनाने के साथ ही शिक्षा के पूरे ईकोसिस्टम में अप्रेन्टिसशिप को शामिल किया जाए। तभी अप्रेन्टिसशिप को वह सम्मान मिल सकता है जो अपने हाथों से सीखने और युवाओं की रोजगार क्षमता में सुधार के लिए जरूरी है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, नए नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के अनुसार अप्रेन्टिसशिप और मूल्यांकन के पूरा होने पर तय क्रेडिट आवंटित किए जाएंगे जिससे आगे की शिक्षा की राह और आसान हो जाएगी। इसके अलावा, अप्रेन्टिसशिप और इंटर्नशिप को माध्यमिक स्तर के बाद के स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव भी है। उच्च शिक्षा प्रणाली भी यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार मुख्यधारा अप्रेंटिसशिप युक्त डिग्री कार्यक्रमों के लिए तैयार हो रही है।

किसी भी सार्वजनिक नीति में आगे बढ़ने के लिए हितधारकों को सक्रिय करने की आवश्यकता होती है। देश भर में 250 से अधिक जिलों में अप्रेन्टिसशिप के प्रोत्साहन कार्यक्रमों के रूप में पूरे वर्ष, व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। प्रतिष्ठानों या उम्मीदवारों के किसी भी प्रश्न या समस्या का समाधान करने के लिए एक सेन्ट्रलाइज़्ड हेल्पलाइन की मदद ली जा रही है।

हम ट्रेनी और प्रतिष्ठानों, दोनों के लिए अप्रेन्टिसशिप को फायदेमंद बनाने के लिए उपरोक्त सभी कार्य-बिन्दुओं पर काम कर रहे हैं ताकि भारतीय अर्थव्यवस्था में भी अप्रेन्टिसशिप अपनी गहरी जड़ें जमा सके। हमारे लिए यह भी बहुत आवश्यक है कि अप्रेन्टिसशिप, सस्ते श्रम की आपूर्ति का रास्ता न बने। सभी प्रकार के कार्य-अनुभवों को अप्रेन्टिसशिप के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है। अप्रेन्टिसशिप को नियोक्ताओं और अप्रेन्टिस के बीच एक सत्यापित लिखित अनुबन्ध के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें मानदंडों के अनुसार स्टाइपेन्ड का भुगतान, गैर-उत्पादन समय प्रशिक्षण सहित अप्रेन्टिस का संरचित प्रशिक्षण और कड़ी निगरानी भी शामिल है। नियोक्ताओं के लिए अप्रेन्टिसशिप के वैल्यु प्रपोज़िशन को उच्च उत्पादकता, कम एट्रिशन और कम हायरिंग कॉस्ट के गुणात्मक पहलुओं द्वारा उभरना है। ट्रेनी के लिए, यह उचित स्टाइपेन्ड और रोजगार पाने की अधिक सम्भावनाओं के साथ एक काम करने पर आधारित शिक्षा है। आखिरकार अप्रेन्टिसशिप का सफ्ल एवं सुखद परिणाम, सभी संबंधित हितधारकों जैसे कि अप्रेन्टिस, उद्यमों और पूरी अर्थव्यवस्था को मिलना ही चाहिए।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

109 ट्रेक्टर व 250 विभिन्न प्रकार के आधुनिक कृषि यंत्रों का कृषकों को अनुदान पर किया गया वितरण

राजीव गांधी किसान न्याय योजना किसानों के आर्थिक उन्नति की दिशा में कारगर

- 15 हजार 858 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का बढ़ा रकबा
- जिले में खेती-किसानी के प्रति बढ़ा रूझान

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। शासन की राजीव गांधी किसान न्याय योजना किसानों के जीवन में समृद्धि एवं खुशहाली ला रही है। किसानों के आर्थिक उन्नति की दिशा में यह योजना कारगर साबित हुई है।

जिले में इस योजना से प्रेरित होकर युवाओं ने खेती-किसानों को अपनाया है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत सभी फसलों के लिये 9 हजार रूपए प्रति एकड़ तथा धान के बदले वैकल्पिक फसल लेने पर 10 हजार रूपए प्रति एकड़ इनपुट सब्सिडी दी जा रही है। कोदो, कुटकी, रागी उत्पादक कृषकों को भी इसका लाभ मिल रहा है। धान के बदले कोदो, कुटकी, गन्ना, अरहर, मक्का, सोयाबीन, दलहन, तिलहन, सुगंधित धान, अन्य फोर्टिफाइड धान, केला, पपीता अथवा वृक्षारोपण करने पर प्रति एकड़ 10 हजार रूपए इनपुट सब्सिडी राशि दी जा रही है। वृक्षारोपण करने वाले किसानों को 3 वर्षों तक इनपुट सब्सिडी की राशि मिलेगी। जिले में इन योजनाओं से व्यापक पैमाने पर किसान लाभान्वित हो रहे हैं।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत खरीफ वर्ष 2021 के लिये 1 लाख 13 हजार 343 किसानों को 234 करोड़ 90 लाख 25 हजार रूपए का भुगतान 3 किस्तों में किया जा चुका है। जिससे किसानों को खेती-किसानी के कार्यों में बहुत सुविधा मिली है। वे उन्नत बीज, उवर्रक, कीटनाशक आसानी से खरीद पा रहे हैं, वहीं वैज्ञानिक तकनीक को अपनाते हुए खेती करने की दिशा में अग्रसर हुए हैं। जिले में विगत चार वर्षों में कृषि विभाग के शाकंभरी, किसान समृद्धि, उथला नलकूप, चेकडेम निर्माण योजनाओं के माध्यम से 15 हजार 858 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई रकबा बढ़ा है। लघु धान्य फसलों के क्षेत्र में 3274 हेक्टेयर की वृद्धि हुई है।

किसान खेती के लिए ट्रेक्टर एवं आधुनिक कृषि यंत्र का बहुतायत उपयोग करने लगे हैं, जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई है और उन्हें लाभ मिल रहा है। जिले में 109 ट्रेक्टर व 250 विभिन्न प्रकार के आधुनिक कृषि यंत्रों का कृषकों को अनुदान पर वितरण किया गया है।

आंगनबाड़ी केंद्रों के रिक्त पदों में भर्ती के लिए आवेदन 11 तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। एकीकृत बाल विकास परियोजना अंतर्गत बरपाली एवं करतला परियोजना के आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। परियोजना बरपाली अंतर्गत 18 एवं परियोजना करतला अंतर्गत 10 रिक्त पदों में भर्ती के लिए आवेदन 11 जनवरी 2023 तक मंगाये गये हैं। बरपाली परियोजना के अंतर्गत आने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 09, मिनी कार्यकर्ता के 01 और सहायिका के 05 पदों तथा करतला परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 04 एवं आंगनबाड़ी सहायिका के 06 रिक्त पदों में भर्ती के लिए आवेदन मंगाया गया है।

संबंधित क्षेत्र के आवेदिकाएं आवेदन निर्धारित प्रारूप में कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना बरपाली और कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना करतला में निर्धारित तिथि तक कार्यालयीन समय में सीधे जमा कर सकते हैं। भर्ती के संबंध में नियम, शर्तें, आवेदन प्रारूप एवं अन्य जानकारी के लिए परियोजना कार्यालय बरपाली और करतला के सूचना पटल एवं सभी संबंधित आंगनबाड़ी केंद्रों के सूचना पटल से अवलोकन किया जा सकता है।

परियोजना अधिकारी बरपाली ने बताया कि परियोजना बरपाली अंतर्गत ग्राम पंचायत ढनढनी के ढनढनी बस्ती, संडैल के भाटापारा 02, रोगदा के रोगदा केंद्र, कनकी के कनकी केंद्र, तरदा के भादा केंद्र, रीवापार के सराईपाली केंद्र, मुकुंदपुर के मुकुंदपुर आंगनबाड़ी केंद्र, बुढ़ियापाली के बुढ़ियापाली केंद्र और ग्राम पंचायत पुरेना के पुरेना आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की भर्ती की जाएगी।

ग्राम पंचायत महोरा के नदी पार महोरा आंगनबाड़ी केंद्र में मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की भर्ती की जाएगी। इसी प्रकार ग्राम पंचायत कनकी के कनकी केंद्र, रींवापार के दर्राभाठा केंद्र, रींवापार के डीपरापारा केंद्र, ढोंढातरई के तियारीपुर केंद्र, अमलडीहा के नवापारा केंद्र, उमरेली के बाजारचौक केंद्र तथा खरवानी के सराईपाली एवं बीचगली आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनबाड़ी सहायिका की भर्ती की जाएगी। इसी प्रकार परियोजना करतला अंतर्गत ग्राम पंचायत तुमान के तुमान केंद्र, सुपातराई के तिलहापताई, डोंगाआमा के श्रीमार और ग्राम पंचायत गाड़ा पाली के गाड़ापाली आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की भर्ती की जाएगी।

खास खबर

स्व सहायता समूह को रोजगार के लिए बैंकों से मिला ऋण

दुर्ग। विगत दिनों समूह की महिलाओं को बैंकों के माध्यम से स्वयं का रोजगार स्थापित करने हेतु केनरा बैंक मेहंदी व बैंक ऑफ बड़ौदा जामुल के माध्यम से समूह को 4 लाख 40 हजार रु कार्य स्वीकृत किया गया। उक्त राशि के माध्यम से स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने हेतु बैंकों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। इस योजना के तहत महिलाओं को सिलाई मशीन, मशरूम उत्पादन, एवं अन्य घरेलू उपायों से रोजगार प्राप्त करने हेतु ऋण वितरण किया गया। इनमें मुख्य रूप से कविता मंजू बघेल लोकेश्वरी रानी गायकवाड सारिका टंडन विमला गायकवाड लच्छावतीय वसुंधरा चंद्रावती खेमलाल ठाकुर रितु नेताम रजनी कुर्रे ललिता कोसरे प्रेमलता गायकवाड कामिन बांधे डोमन ठाकुर शामिल है। इस योजना में बैंकों के माध्यम से समाज प्रमुखों में राकेश ठाकुर, एआर ध्रुव समाज प्रमुख एवं जीआर सॉरी सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित थे। राकेश ठाकुर बाबा घासीदास की प्रतिमा में माल्या अर्पण कर पूजा-पाठ पश्चात कार्यक्रम प्रारंभ किया । उन्होंने समाज के महिलाओं को एकजुट होकर समाज के उत्थान हेतु कार्य करने का आह्वान किया। बच्चों के नियमित अध्यापन एवं उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज के मुख्यधारा से जुड़ कर समाज के उत्थान हेतु कार्य करने एवं समाज प्रमुखों के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त कर अच्छी नौकरी प्राप्त करने हेतु प्रयास करने कहा गया। जीयार सॉरी व एआर धोने ने सभी उपस्थित बहनों को रोजगार हेतु मिल रहे राशि का सदुपयोग कर अपनी आय को बढ़ाकर परिवार की आय के साथ अपना जीवन स्तर ऊंचा उठाने हेतु प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि ईमानदारी पूर्वक अपना रोजगार संचालित करने पर निश्चित रूप से आपको सफलता मिलेगी। भी बढ़ाकर देने पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया, किंतु यह भी समझाया गया कि ऋण का सदुपयोग कर समय अनुसार राशि जमा करने के पश्चात ही आगामी ऋण प्राप्त करने की कार्यवाही की जाएगी।

कुपोषण दूर करने आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को अण्डा वितरण करने का अभिनव प्रयास

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप बालोद जिले में नन्हे-मुन्हे बच्चों को कुपोषण की समस्या से शत प्रतिशत निजात दिलाने हेतु कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार बालोद जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं। बालोद जिले को पूरी तरह से कुपोषण मुक्त बनाने हेतु जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को गरम पौष्टिक भोजन के साथ-साथ अण्डा एवं चिक्की वितरण आदि सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। इसके साथ ही इस कार्य को जन अभियान बनाकर इस कार्य में समाज की सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा के विशेष पहल पर जिला खनिज न्यास निधि से जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों के कुल 6867 कुपोषित बच्चों को सप्ताह में 05 दिन उबला अण्डा एवं अण्डा नहीं खाने वाले 1071 कुपोषित बच्चों को सोयाबड़ी प्रदान किया जा रहा है। बालोद जिले में जिला प्रशासन के इस अभिनव प्रयासों का बहुत ही अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी निरंतर आंगनबाड़ी केन्द्र में प्रतिदिन निरीक्षण कर इस कार्य की सतत् मॉनीटरिंग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों के कुपोषित बच्चों के लिए जिला खनिज न्यास निधि से अण्डा वितरण कार्य का शुभारंभ 07 नवम्बर को किया गया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया, संसदीय सचिव श्री कुंवर सिंह निषाद एवं विधायक संजारी-बालोद श्रीमती संगीता सिन्हा ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आयोजित समारोह में उपस्थित होकर इस योजना का विधिवत् शुभारंभ किया।

आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को नियमित रूप से सप्ताह में 05 दिन उबला अण्डा और सोयाबीन बड़ी तथा पौष्टिक भोजन खिलाए जाने के फलस्वरूप कुपोषण मुक्ति अभियान में इसका शीघ्र परिणाम भी दिखने लगा है। इस अभियान की सफलता का परिणाम है कि वर्तमान में जिले के 6619 बच्चे कुपोषण से मुक्त हो गए हैं। ज्ञातव्य हो कि कुपोषित बच्चों को पर्याप्त पोषण आहार के साथ-साथ अतिरिक्त प्रोटिन व कैलोरी की भी आवश्यकता होती है। जिससे उनका समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास हो सके।

बाल विकास परियोजना डौंण्डी-2 के अंतर्गत सभी 6 सेक्टर मे 01 वर्ष से 06 वर्ष के सभी कुपोषित बच्चो को 07 नवम्बर 2022 से सप्ताह मे पांच दिन अंडा प्रदान किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सेक्टर घोटिया के केन्द्र सिघोला क्रमांक 03 मे जुडवा बच्चो को अंडा दिया जा रहा था जिससे दोनो का वजन माह नवम्बर 2022 मे 11.00 कि.ग्रा. से बढकर वर्तमान मे 11.500 हो गया।

इस प्रकार दोनो कुपोषित बच्चे समान्य श्रेणी मे आ गये। मुख्यमंत्री सुपोषण योजना एवं जिला प्रशासन द्वारा कुपोषण दूर करने हेतु किए जा रहे प्रयासों का प्रत्यक्ष परीणाम बालोद जिले में अब दिखने लगा है। इसके फलस्वरूप आज से कुछ दिन पूर्व आगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-01 ग्राम सिब्दी के मध्यम कुपोषित बच्चे डिलेश कुमार पटेल आज जिला प्रशासन के प्रयासों से नियमित पौष्टिक भोजन एवं समुचित देखभाल के कारण आज सामान्य श्रेणी में आ गया है। डिलेश कुमार पटेल के पिता योगेन्द्र एवं माता सुनंदा पटेल ने बताया कि आज से दो माह पूर्व अक्टूबर माह 10.400 ग्राम होने के कारण वह मध्यम कुपोषित की श्रेणी में था। लेकिन मुख्यमंत्री सुपोषण योजना तथा जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए सप्ताह में 05 दिन उबला अण्डा खिलाने के कार्य के फलस्वरूप आज उनका वजन 11.7 किलोग्राम तक बढ़कर वह सामान्य श्रेणी में आ गया। डिलेश की स्थिति में लगातार हो रहे सुधार से उनके परिजन बहुत हि प्रसन्नचित हैं। इसके लिए उन्होंने राज्य शासन एवं जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं बालोद जिला प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसी तरह मुख्यमंत्री सुपोषण योजना एवं जिला प्रशासन के प्रयास के फलस्वरूप जिले के सभी सेक्टरों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में कुपोषित बच्चों की स्थिति में आशातीत सुधार आ रहा है। इसके साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा बच्चों के घर पहुँचकर उनके परिजनों को मुख्यमंत्री सुपोषण योजना एवं जिला प्रशासन द्वारा कुपोषण दूर करने हेतु किए जा रहे उपायों की जानकारी दी जा रही है।

चिपावंड एवं बीजापुर विद्युत वितरण केन्द्रों का विधायक ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। बीजापुर एवं चिपावंड में नव निर्मित विद्युत वितरण केन्द्रों का शनिवार को विधायक कोण्डागांव मोहन मरकाम ने शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विधायक ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों को बधाई दी और कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा कोण्डागांव प्रवास के दौरान लो वोल्टेज एवं लोड शेडिंग की समस्या से ग्रामीणों को निजात दिलाने के लिए जिले में चार विद्युत वितरण केन्द्रों की स्थापना की घोषणा की थी।

जिससे के तहत बहिगांव तथा मर्दापाल में विद्युत वितरण केन्द्रों की शुरूआत कर दी गयी है। चिपावंड एवं बीजापुर में विद्युत वितरण केन्द्रों के बन जाने से अब यहा के ग्रामीणों को भी विद्युत उपलब्धता सुगमता से हो सकेगी।

इस संबंध में कार्यपालन सीएसपीडीसीएल के कार्यपालन अभियांता एमके शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा उपरांत कोण्डागांव संभाग में 4 नये वितरण केन्द्र खोलने हेतु निर्देशानुसार मर्दापाल एवं बहिगांव के साथ बीजापुर एवं चिपावंड में भी वितरण केन्द्र प्रारंभ हो गये। इससे कोण्डागांव विद्युत उप संभाग-2 में बीजापुर वितरण केन्द्र के अंतर्गत आने वाले 31 ग्रामों में रहने वाले 5538 ग्रामीणों तथा चिपावंड विद्युत वितरण केन्द्र के अंतर्गत आने वाले 27 ग्रामों के 6200 ग्रामीणों को लाभ प्राप्त होगा। केन्द्र के प्रारंभ होने से ग्रामीणों को अब विद्युत संबंधि शिकायतों का त्वरित निदान प्राप्त होगा। इस अवसर पर सहायक अभियांता एमआर तारम, रोहित मंडावी सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नववर्ष में नए संकल्प के साथ जन समस्याओं के निराकरण के लिए करें कार्य-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर संजीव झा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज नव वर्ष के अवसर पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में अधिकारी-कर्मचारियों को नववर्ष की शुभकामनाएं और बधाई दी। कलेक्टोरेट कार्यालय के सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर कलेक्टर श्री झा को नववर्ष की बधाई दी।

इस अवसर पर कलेक्टर संजीव झा ने अधिकारी और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी शासकीय सेवक अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन करते हैं जो कि प्रशंसनीय है। उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों को अच्छे कार्य के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि नये साल की शुरूआत से हमें ऐसा काम करना चाहिए जो वर्ष के आखिरी में भी याद रहे। इस नववर्ष में भी सभी को अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करते हुए विभागों में पहुंचने वाले लोगों की समस्याओं और उनकी शिकायतों का त्वरित निराकरण करते हुए उन्हें राहत पहुंचाने की दिशा में काम करना चाहिए।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी कलेक्टर संजीव झा को नव वर्ष की बधाई व शुभकामनाएं देकर नववर्ष को लेकर अपने विचार रखें। इस अवसर पर अपर कलेक्टर द्वय विजेंद्र पाटले एवं प्रदीप साहू, जिला पंचायत के सीईओ नूतन कंवर, संयुक्त कलेक्टर शिव बैनर्जी, संयुक्त कलेक्टर अवध सिंह राणा सहित कलेक्टोरेट के विभिन्न शाखाओं के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला पटेल संघ ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

कांकेर। जिला पटेल संघ द्वारा 17 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम भानुप्रतापपुर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। जिला पटेल संघ ने बताया कि भारत ग्रामों का देश है, देश की 77 प्रतिशत जनसंख्या इन्ही ग्रामो में निवास करती है। इस ग्रामों की व्यवस्था में लगान वसूली एवं पटेल का विशेष योगदान रहता है। ब्रिटिश राज से लेकर आज तक ग्राम पटेल लगान वसूली शासन की तरफ से करते आ रहे है। देश की आजादी के लगभग 74 वर्ष पूर्ण होने के बाद भी ग्राम पटेलो के प्रति शासन द्वारा मानदेय राशि नहीं दी गई। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के ग्राम के पटेलों के पारिश्रमिक कमीशन 36 रुपये के बाद सौ रूपये प्रति वर्ष दिया जा रहा था।

खास खबर...

मुख्यमंत्री से बिंझवार जनजाति के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रायपुर (ए)। मुख्यमंत्री बघेल से सोमवार शाम उनके निवास कार्यालय में सरायपाली विधानसभा से आए बिंझवार जनजाति के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर विधायक किस्मत लाल नंद भी मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को मकरसक्रांति के अवसर पर सरायपाली में आयोजित मेला में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने इसके लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान पुजारी शोमकर लाल बरिहा ने बताया कि मकरसक्रांति के दिन शिशुपाल पर्वत के आसपास विशाल मेला का आयोजन होता है। इस दिन पर्वत पर विराजमान भगवान शिव एवं नीचे मैदानी भाग में विराजित मां दुर्गा और हरियर मां वृंदावासिनी की पूजा अर्चना की जाती है। इस अवसर पर संतोष बरिहा, देवीसिंह बरिहा, डोलामनी बरिहा, मोहोरघु बरिहा, घनीराम बरिहा, सफेद बरिहा, संजय बरिहा, मेगन बरिहा एवं जयकृष्ण बरिहा मौजूद थे।

मुख्यमंत्री से साहू संघ ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री बघेल से सोमवार शाम उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष टहल साहू के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को जिला गरियाबंद अंतर्गत राजिम महोत्सव स्थल, त्रिवेणी संगम-राजिम में 7 जनवरी को आयोजित राजिम जयंती समारोह और आमसभा एवं स्वास्थ्य शिविर में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस आमंत्रण के लिए मुख्यमंत्री ने उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर साहू समाज के अन्य सदस्य मौजूद थे।

चार सिंचाई योजनाओं के लिए 10.99 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रदेश के चार विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के कार्यो को कराने के लिए 10 करोड़ 99 लाख 88 हजार रुपए स्वीकृत किए है। योजना के पूरा होने से 1152 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। मुंगेली जिले के मनियारी जलाशय योजना के डी-3 शाखा नहर रतियापारा माईनर नहर के अंतिम छोर तक सी.सी लाईनिंग कार्य एवं पुराने पक्के कार्यो का पुनरोद्धार तथा नवीन पक्के कार्यो के निर्माण कार्य के लिए पांच करोड़ 41 लाख 86 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के पूरा होने से 991 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड-मुंगेली के टेसुवानाला में ग्राम संबलपुर में ग्राम संबलपुर के पास एनीकट निर्माण कार्य के लिए दो करोड़ 37 लाख 05 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के पूरा होने से 100 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। रायगढ़ जिले के विकासखण्ड-बरमकेला के लाडूखाई जलाशय का जीर्णोद्धार कार्य के लिए एक करोड़ 41 लाख 58 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के पूरा होने से 61 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। विकासखण्ड-रायगढ़ के केलो बांध की गेट का पेंटिंग एवं बांध के गेटों के रबर सील बदलने से संबंधित कार्य के लिए एक करोड़ 79 लाख 39 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है।

पर्यटन मंडल के होटल-रिसोर्ट मे वकीलों को मिलेगी 25 फीसदी रियायत

रायपुर (ए)। प्रदेश के अधिवक्ताओं को पर्यटन मंडल ने बड़ी सौगात दी है। स्टेट बार कांउसिल ऑफ छत्तीसगढ़, उच्च न्यायालय में पंजीकृत अधिवक्ताओं को उनके प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा स्वयं संचालित समस्त इकाईयों (रिसॉर्ट /रेस्ट हाउस ,/मोटल्स) में कक्ष उपलब्धता की स्थिति में आवासीय कक्षों के आरक्षण में 25 फीसदी रियायत का प्रावधान किया गया है। इस निर्णय पर प्रदेशभर के अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पर्यटन मंडल के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव तथा महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा का आभार प्रगट किया है।

स्वास्थ्य सेवाओं की बदली तस्वीर, खून व हार्मोन समेत 120 तरह की नि:शुल्क जांच

रायपुर। प्रदेश के 'हमर लैब ने स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर बदल दी है। आर्थिक तंगी अब मरीजों के इलाज और जांच में रोड़ा नहीं बन रही है। खून व हार्मोन समेत 120 तरह की नि:शुल्क जांच से मरीजों के हजारों रुपये बच रहे हैं। समय पर मिल रही रिपोर्ट से इलाज भी आसान हो गया है। प्रदेश के इस माडल प्रोजेक्ट को देशभर में अपनाने की तैयारी चल रही है। छत्तीसगढ़ के सभी जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में हमर लैब खोलने शासन की मंजूरी के बाद काम शुरू हो गया है। ऐसे में यूनिवर्सल हेल्थ स्कीम के तहत इस योजना का लाभ इस वर्ष राज्य के सभी लोगों को मिलने की उम्मीद है।

बता दें रायपुर जिला अस्पताल से शुरू हुए हमर लैब का विस्तार राज्य के नौ जिला अस्पताल और चार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में हो चुका है। जिला अस्पताल में 120 और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 50 तरह की नि:शुल्क जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले 'हमर लैब में वर्ष- 2022 में 57 लाख से अधिक जांच हुए हैं। इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के हजारों रुपए बचे।

हर साल चार लाख से अधिक लोगों की जांच

रायपुर जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डाक्टर पीके गुप्ता ने बताया कि अस्पताल के हमर लैब में हर साल चार लाख से अधिक जांचें हो रही हैं। यहां निजी लैब में इन जांच सुविधाओं के लिए 10 हजार रुपए से अधिक राशि खर्च करनी पड़ती है। लाखों मरीजों को यह सुविधाएं नि:शुल्क मिल रही हैं।

इस तरह हो रही जांच

हमर लैब में ब्लड ग्रुप, डायबिटीज, लिवर, किडनी, यूरीन के अलावा जापानी इंसेफेलाइटिस, हेपेटाइटिस ए, बी व सी, हिमेटोलॉजी, बायो केमेस्ट्री, माइक्रो बायोलाजी, सेरोलाजी समेत 120 तरह की जांच की जा रही है। वहीं विकासखंड स्तर पर देश का पहला लोक स्वास्थ्य इकाई (ब्लाक पब्लिक हेल्थ यूनिट) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन में स्थापित किया गया है। यहां हमर लैब के माध्यम से मरीजों को सभी तरह की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिला चिकित्सालयों में 120 और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के लैब में 50 तरह की जांच की सुविधा मरीजों को मिल रही है।

चंदखुरी की माता कौशल्या मंदिर में बढ़ेंगी सुविधाएं, मुख्यमंत्री ने दिए मुख्य सचिव को निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी में स्थति माता कौशल्या मंदिर में सुविधाओं का विस्तार होगा। इस संबंध में सोमवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया है। उन्होंने इसे लेकर अपने ऑफिशियल ट्विटर पर भी ट्वीट किया है। सीएम ने ट्वीट कर कहा है कि नववर्ष के शुभ अवसर पर माता कौशल्या मंदिर, चंदखुरी में बड़ी संख्या में भक्तों एवं पर्यटकों का आना सुखद एवं उत्साहवर्धक संकेत है। भक्तों के दर्शन को सुगम बनाने एवं माता के धाम का अतिरिक्त सौंदर्यीकरण करने संबंधी निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। माता कौशल्या की जय! भांचा राम की जय!

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्य सचिव को दिए अपने निर्देश में कहा है कि चंदखुरी में भक्तों की सुविधाएं और सौंदर्यीकरण का विस्तार किया जाएगा। सड़क चौड़ीकरण, स्ट्रीट लाईट, वाहन पार्किंग की व्यवस्था का निर्देश भी दिए हैं। इसके अलावा पेयजल के लिए मंदिर के बाहर और अंदर वाटर फिल्टर लगाने का भी निर्देश दिया गया है। साथ ही मंदिर के बाउंड्रीवाल को बनाने और इस बाउंड्री वाल में रामकथा को आकर्षक तरीके से उकेरा जायेगा। तालाब में समुद्र मंथन और भगवान विष्णु की मूर्ति के सौंदर्यीकरण के निर्देश भी दिए गए। मंदिर के प्रवेश द्वार पर भव्य उद्यान विकसित करने का भी निर्देश दिया गया है।

हरियाणा के मरीज को मिला छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पताल में इलाज, पेरिफेरल आर्टरी बीमारी से मिली निजात

रायपुर (ए)। कहने और सुनने में यह थोड़ा अटपटा जरूर लगता है लेकिन यह सच है कि कई बार जब हमारे पास कोई रास्ता नजर नहीं आता तब गूगल हमें सही रास्ता और पता भी बता देता है। कुछ ऐसा ही हुआ उत्तर भारत के एक बेहद प्रसिद्ध राज्य हरियाणा के जींद निवासी एक मरीज के साथ। हरियाणा के जींद जिले से छत्तीसगढ़ के रायपुर पहुंचकर उन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग में पैर की खून की नसों की बीमारी पेरिफेरल आर्टरी डिजीज से निज़ात पाई। मरीज की इस बीमारी को चिकित्सा महाविद्यालय के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू एवं टीम ने विशेष सर्जिकल तकनीक जिसे एंडआर्टिक्टॉमी (धमनी में जमे प्लाक को निकालने की एक सर्जिकल प्रक्रिया) कहा जाता है, के जरिये निकाल कर मरीज के जीवन को बीमारी से मुक्त एवं दर्द रहित बनाया। आज मरीज स्वस्थ है और डिस्चार्ज लेकर अपने घर जींद, हरियाणा जा रहा है।

पेरिफेरल आर्टरी डिजीज से अंगूठा और पंजा हुआ काला

अम्बेडकर अस्पताल स्थित एसीआई के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू बताते हैं, मरीज के सीटी एंजियोग्राफी से पता चला कि 52 वर्षीय मरीज के पैर की खून की नस जिसे फीमोरल आर्टरी और पॉप्लीटियल आर्टरी कहते हैं, के एंटीरियर टिबियल और पोस्टीरियर टिबियल में ब्लॉकेज है। जिसके कारण मरीज के पैरों में रक्त का प्रवाह नहीं हो पा रहा था। ब्लॉकेज के कारण अंगूठा और पंजा काला पड़ना प्रारंभ हो रहा था। खून नहीं पहुंचने के कारण पैरों के पंजों में असहनीय दर्द हो रहा था। इस बीमारी को पेरिफेरल आर्टरी डिजीज कहते हैं।

क्यों होती है यह बीमारी ?

पेरिफेरल आर्टरी डिजीज उन लोगों में ज्यादा होती है जो धूम्रपान जैसे- तंबाकू, बीड़ी, गुटखा, गुड़ाखू इत्यादि करते हैं। इनके अलावा अनियंत्रित मधुमेह के कारण या फिर जिनको वैस्कुलाइटिस की बीमारी (खून की नसों में सूजन) होती है। पहले इस प्रकार की बीमारी में सीधा पैर को काट दिया जाता था। पैर का काटना या एम्पुटेशन की दो प्रमुख वजह होती है या तो पैर में गैंगरीन हो जाता है या फिर असहनीय पीड़ा हो। चिकित्सा विज्ञान ने आज बहुत तरक्की कर ली है और यही वजह है कि पैरों की खून की नसों का इलाज अन्य विधियों से भी संभव है।

जन चौपाल में अवैध कब्जा हटाने और अतिक्रमण सहित 30 से ज्यादा आवेदन मिले

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जन चौपाल के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। विभिन्न शिकायत एवं मांग संबंधित 30 से अधिक लोगों ने आवेदन दिया। जनचौपाल में आज रायपुर नगर निगम अंतर्गत वार्ड 14 के पुरुषोत्तम श्रीवास्तव ने खसरे की नकल प्राप्त करने, ग्राम पिरदा के किसान गुरमेल सिंह सैनी ने अपना खसरा दुरुस्त कराने आवेदन प्रस्तुत किया। महादेव घाट रोड यादव मोहल्ला निवासी काजल यादव ने अपनी भूमि से लगी शासकीय भूमि में किए गए अवैध कब्जे को हटवाने, ग्राम कुर्रा के बलिराम विश्वकर्मा ने सरपंच द्वारा मजदूरी भुगतान नहीं किए जाने, ग्राम गातापार के थान सिंह नवरंगे ने गांव में शासकीय जमीन से अतिक्रमण हटाने की शिकायत लेकर आवेदन प्रस्तुत किया।

इसी प्रकार तिल्दा निवासी मनमोहन प्रसाद गुप्ता ने सार्वजनिक रास्ते पर बलपूर्वक अनाधिकृत रूप से अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत लेकर आवेदन किया, जिस पर कलेक्टर ने प्रकरण को उचित प्रतिवेदन के साथ भेजने कहा। छोटा अशोक नगर निवासी बुध कुंवर बाई सतनामी ने घर के पट्टे का नामांतरण कराने, अवंती विहार के महेश सिंह ने हिंदी अभिलेख से नकल प्राप्त करने, प्रोफेसर कालोनी निवासी मनीष शर्मा ने आपदा राहत राशि दिलाने, जनपद पंचायत अभनपुर के राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों ने क्लब व ग्राम कुर्रा वासियों के लिए सामुदायिक भवन की स्वीकृति के लिए ग्राम कुर्रा के ही भूपेश कुमार साहू ने शिव तालाब से राष्ट्रीय राजमार्ग 130 तक सीसी रोड का निर्माण कराने के लिए आवेदन दिया।

इसी तरह कैलाशपुरी के बाबूराव शेंडगे ने अपने मकान से कब्जा मुक्त कराने, ग्राम पाड़ाभाट की किरण वर्मा ने अपनी पैतृक संपत्ति की बिक्री पर रोक लगाने, ग्राम कुर्रा की हेमलता यादव ने श्रम कार्ड निरस्त कराने, ग्राम पंचायत दोंदेकला की सरपंच प्रतिमा अरविंद ठाकुर ने डीएमएफ मद से पूर्व माध्यमिक शाला में तीन अतिरिक्त कक्ष निर्माण कराने, वृंदावन नगर कुशालपुर निवासी विजय सोना ने बगैर गुमास्ता लाइसेंस के चल रही दुकानों पर कार्रवाई करने, वार्ड क्र. 35 के पार्षद संतोष साहू ने डीएमएफ मद से पीवीसी टैंक स्थापना के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति राशि के लिए, रायपुर के वार्ड नंबर 14 के पुरुषोत्तम श्रीवास्तव ने खसरे की नकल प्राप्त करने, आरडीए कालोनी बोरिया खुर्द निवासी अनीता सोनी ने आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने जन चौपाल में प्राप्त आवेदनों को समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

प्रदेश में 19.33 लाख किसानों से 80.55 लाख टन धान की खरीदी

किसानों को 16,217 करोड़ रूपए का भुगतान

कस्टम मिलिंग के लिए 55 लाख टन धान का उठाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का महाभियान निरंतर जारी है जो 31 जनवरी 2023 तक चलेगा। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में समर्थन मूल्य पर किसानों से अब तक 80.55 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। धान खरीदी के एवज में 19.33 लाख किसानों को लगभग 16,217 करोड़ रूपए का भुगतान बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत किया गया है। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है। अब तक 68 लाख मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध मिलर्स द्वारा 55 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि 02 जनवरी को 44 हजार किसानों से 1.65 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। इसके अलावा ऑनलाइन प्राप्त टोकन के जरिए किसानों से लगभग 23 हजार टन धान की भी खरीदी हुई हैं। आगामी दिवस की धान खरीदी के लिए 55,440 हजार टोकन तथा टोकन तुंहर हाथ एप के जरिये लगभग 7 हजार 608 टोकन ऑनलाइन जारी किए गए हैं।

गौरतलब है कि इस साल राज्य में 25.92 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 2.26 लाख नये किसान शामिल हैं। राज्य में धान खरीदी के लिए 2600 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है। राज्य में धान खरीदी की व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सीमावर्ती राज्यों से धान के अवैध परिवहन को रोकने के लिए चेक पोस्ट पर माल वाहकों की चेकिंग की जा रही है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

रूखी त्वचा पर इन तरीकों से इस्तेमाल करें शहद, मिलेंगे कई फायद

सर्दियों के दौरान रूखी त्वचा वालों को कई तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है, लेकिन शहद इन समस्याओं से सुरक्षित रखने में काफी मदद कर सकता है। शहद एक ह्यूमेक्टेंट है और प्राकृतिक मॉइस्चराइजर के तौर पर काम करके त्वचा को नमी प्रदान करता है। इससे यह सर्दियों की समस्याओं से बची रह सकती है। आइए जानते हैं कि रूखी त्वचा पर शहद का इस्तेमाल किन तरीकों से किया जा सकता है।

शहद, हल्दी और ग्लिसरीन फेस पैक

यह फेस पैक त्वचा को मॉइस्चराइज करने के साथ ही मुलायम बनाने में काफी मदद कर सकता है और रूखी त्वचा को सूखे पैच से भी छुटकारा दिला सकता है। इसके लिए एक बड़ी चम्मच ऑर्गेनिक शहद, आधी चम्मच हल्दी और आधी चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर अपने पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। जब यह सूख जाए तो चेहरे और गर्दन को ठंडे पानी से धो लें।

बतौर फेसवॉश करें इस्तेमाल

इसके लिए सबसे पहले तीन बड़ी चम्मच डिस्टल वॉटर को डिस्पेंसिंग बोतल में डालें। फिर इसमें एक तिहाई कप लिक्विड कैस्टाइल सोप मिलाएं। इसके बाद इसमें एक तिहाई कप शहद और तीन बड़ी चम्मच तेल डालें। अब अच्छी तरह मिलाने के लिए बोतल को हिलाएं। फिर इसे रोजाना फेसवॉश की तरह इस्तेमाल करें। यह त्वचा की गहराई से सफाई करने में काफी मदद कर सकता है।

फेस क्रीम की तरह करें इस्तेमाल

शहद की फेस क्रीम बनाने के लिए सबसे पहले आधा कप शिया बटर को पिघलाने के लिए डबल बॉयलर तकनीक का इस्तेमाल करें। अब इसमें गुलाब जल, एलोवेरा जेल और शहद के साथ मिलाकर मिश्रण को एक कांच के कटोरे में डालें और इसे ठंडा होने दें। इसके बाद इसे 5 मिनट के लिए अच्छी तरह से फेंटें और इसे एक जार में डालें। इसे अपने दैनिक मॉइस्चराइजर या नाइट क्रीम के रूप में प्रयोग करें।

फेस टोनर के तौर पर करें इस्तेमाल

रूखी त्वचा को स्वस्थ रखने में फेस टोनर अहम भूमिका अदा करता है और इसके लिए भी आप शहद का इस्तेमाल कर सकते हैं। शहद में हाइड्रेटिंग गुण भी मौजूद होते हैं। ये गुण त्वचा को कोमल बनाने के साथ रंगत को साफ करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए पहले एक कटोरी में थोड़ा शहद और पानी मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में भरकर इसका इस्तेमाल बतौर फेस टोनर करें।

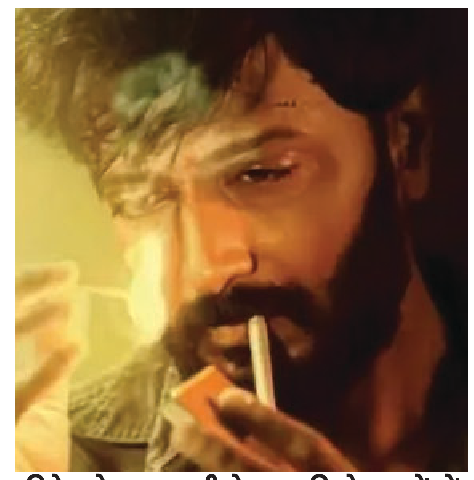

रितेश देशमुख की वेड का सिनेमाघरों में बेहतरीन प्रर्दशन, बनाया ये रिकॉर्ड

30 दिसंबर, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई रितेश देशमुख और जेनेलिया की मराठी फिल्म वेड बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रर्दशन कर रही है। इस फिल्म के जरिए यह जोड़ी फिर से स्क्रीन साझा करते नजर आ रही है। वेड ने महामारी के बाद सबसे ज्यादा ओपनिंग करने वाली मराठी फिल्म के रूप में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। रिपोर्ट की मानें तो फिल्म ने अपनी रिलीज के तीन दिनों में करीब 10 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।

फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 4.50 करोड़ रुपये की कमाई की। पहले दिन फिल्म ने 2.25 करोड़ रुपये और दूसरे दिन 3.25 करोड़ रुपये की कमाई की। वेड का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब 10 करोड़ रुपये हो गया है। रोमांटिक एक्शन फिल्म में जिया शंकर, रविराज कांडे, अशोक सराफ और शुभंकर तावड़े भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी काफी हद तक रितेश के किरदार सत्या के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक क्रिकेटर है।

आलिया भट्ट, रणबीर कपूर ने होस्ट की पायजामा पार्टी, आदित्य रॉय कपूर समेत कई स्टार्स हुए शामिल

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने रविवार को शादीशुदा जोड़े के रूप में अपना पहला नया साल मनाया। इस मौके पर, आलिया ने मुंबई के बांद्रा में अपने घर पर पायजामा पार्टी रखी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। पार्टी में आदित्य रॉय कपूर, अयान मुखर्जी, शाहीन भट्ट, लव रंजन अपनी पत्नी अलीशा वैद के साथ और रोहित धवन अपनी पत्नी जान्हवी देसाई के साथ शामिल हुए।

आलिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तीन तस्वीरों का एक सेट शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा: हैप्पी न्यू न्यू.. मेरे सबसे प्यारे लोगों के साथ। तस्वीरों में, आलिया ग्रे पायजामा सेट में दिख रही है, जबकि रणबीर काले पायजामा में नजर आ रहे हैं। आलिया ने अपनी दो सोलो पिक्चर भी शेयर कीं जिसमें वह 2023 का हेडबैंड पहने बालकनी में बैठी हैं।

2022 रणबीर और आलिया के लिए खास साल रहा। आलिया ने गंगूबाई काठियावाड़ी और ब्रह्मास्त्र के साथ सफलता प्राप्त की। वहीं रणबीर ने शमशेरा और ब्रह्मास्त्र के साथ पर्दे पर धूम मचाया। आलिया और रणबीर ने 2022 में मुंबई में अपने वास्तु निवास में शादी की और नवंबर में अपनी बच्ची राहा का भी स्वागत किया।

शिवांगी जोशी का आउटफिट, फैंस करने लगे बार्बी डॉल से तुलना

ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम शिवांगी जोशी यानी नायरा इन दिनों अपने बोल्ड फोटोशूट के कारण सोशल मीडिया पर तहलका मचाने में लगी हुई हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हुस्न के कायल हो जाते हैं। हाल ही में शिवांगी जोशी फोटोग्राफर डब्बू रतनानी के साथ किए गए अपने लेटेस्ट फोटोशूट की वजह से लाइमलाइमट में हैं। शिवांगी जोशी टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेसेस में से एक हैं। एक्ट्रेस ये रिश्ता क्या कहलाता है में नायरा का किरदार निभाकर हर घर में फेमस हो गई थीं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही शानदार आउटफिट पहना हुआ है। एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने इन तस्वीरों में सी ग्रीन शिमरी शॉर्ट आउटफिट कैरी किया था और साथ ही उनकी ड्रेस के बॉटम पार्ट पर फर लगे हुए थे। शिवांगी जोशी अपने इस आउटफिट में बेहद ही अट्रैक्टिव लग रही हैं। फैंस को भी उनका ये हॉट अंदाज बेहद पसंद आ रहा है। इन तस्वीरों में शिवांगी जोशी बेहद ही किलर लुक्स में चेहरे पर प्यारी सी स्माइल देते हुए हॉट फोटोज क्लिक करवा रही हैं। बालों की पोनी टेल बांध कर साथ ही न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपना प्यार बरसाते हैं। हालांकि एक यूजर ने उनकी तस्वीरों में कॉमेंट करते हुए लिखा है नीले-नीले अंबर पर चांद जब छाए. वहीं एक ने शिवांगी के लिए लिखा ब्यूटिफुल लिखा हैं।

नए साल पर 'यात्री' की शूटिंग में व्यस्त होंगी चाहत खन्ना

टीवी अभिनेत्री चाहत खन्ना का नया साल व्यस्त रहेगा क्योंकि वह अपनी आगामी फिल्म 'यात्री' की शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा, चाहत खन्ना कुछ देशों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच खुद को और अपने प्रियजनों को सुरक्षित रखने के लिए भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने के लिए सावधानी बरत रही है। चाहत खन्ना ने कहा कि इस बार मैं अपनी फिल्म 'यात्री' की शूटिंग कर रही हूं। कुछ हिस्सों की शूटिंग हमने दिसंबर में बैंकॉक में की थी लेकिन पैचवर्क अभी भी बाकी है, हम जनवरी में दिल्ली में शूटिंग करने जा रहे हैं। मैं इस नए प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हूं और उम्मीद है कि जल्द ही इसे पूरा कर लूंगी। मैंने खुद को और अपने प्रियजनों को सुरक्षित रखने के लिए कमर कस ली है।

'कुमकुम', 'काजल' और 'कुबूल है' में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली चाहत खन्ना ने कहा कहा कि मेरी तमाम कोशिशों के बावजूद 2022 निजी तौर पर मेरे जीवन में कई झटके लेकर आया है, जबकि मैंने पेशेवर मोर्चे पर बहुत कुछ सीखा। सौभाग्य से कुछ पहलुओं में यह मेरे पेशेवर जीवन के लिए बहुत अच्छा रहा। कुल मिलाकर मैं 2022 को एक बुरा साल नहीं कहूंगी क्योंकि इस साल कुछ शानदार पल थे और मैंने मुश्किल वक्त में बहुत कुछ सीखा भी है।

जब चाहत खन्ना से नए साल के उनके संकल्प के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि मेरा अंतिम लक्ष्य शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से फिट और स्वस्थ रहना है। मैं पिछले वर्ष की तुलना में बहुत अधिक मेहनत करने की भी इच्छा रखता हूं ताकि मैं एक व्यक्ति के रूप में सीखते और बढ़ते हुए अपने लिए एक पहचान बना सकूं।

सामंथा रुथ की शाकुंतलम की नई रिलीज डेट जारी, हिंदी में भी आएगी फिल्म

सामंथा रुथ प्रभु आए दिन किसी न किसी वजह के चलते सुर्खियों में रहती हैं। एक तरफ उनकी खराब सेहत चर्चा में है तो दूसरी तरफ उनकी फिल्में। उनकी फिल्म शाकुंतलम का भी बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है, क्योंकि यह एक पैन इंडिया फिल्म है। अब इसका नया पोस्टर सामने आने के साथ-साथ इसकी नई रिलीज डेट का ऐलान भी हो गया है। खुद सामंथा ने यह जानकारी दी है। आइए जानते हैं पर्दे पर कब आएगी शाकुंतलम।

सामंथा ने इंस्टाग्राम पर अभिनेता देव मोहन के साथ इस फिल्म का नया पोस्टर साझा कर लिखा, अपने असपास के सिनेमाघरों में 17 फरवरी, 2023 को इस अनोखी प्रेम कहानी के साक्षी बनें। फिल्म शाकुंतलम 3डी में भी रिलीज हो रही है। सामंथा के इस पोस्ट से प्रशंसक फूले नहीं समा रहे हैं। पहले यह फिल्म 4 नवंबर, 2022 को दर्शकों के बीच आने वाली थी, लेकिन इसके आने में देरी हुई, ताकि दर्शक 3डी में इसका लुत्फ उठा सकें।

देव मोहन एक लोकप्रिय एक्टर और मॉडल हैं, जो मलयालम फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। सूफियुम सुजातायुम और पंथरांदु जैसी मलयालम फिल्मों में उन्होंने अपने काम के जरिए दर्शकों से खूब वाहवाही बटोरी थी। शाकुंतलम देव मोहन की पहली तेलुगु फिल्म है। महाकवि कालिदास के संस्कृत नाटक अभिज्ञानशाकुन्तलम पर आधारित इस फिल्म में शकुंतला और दुष्यंत की प्रेम कहानी को दिखाया जाएगा। शाकुंतलम तेलुगु के अलावा हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी। फिल्म में सामंथा, शकुंतला की भूमिका में नजर आने वाली हैं, वहीं देव मोहन राजा दुष्यंत की भूमिका में हैं। गुनाशेखर इस फिल्म के निर्देशक हैं। फिल्म में सचिन खेडेकर, कबीर बेदी, डॉ.एम.मोहन बाबू, प्रकाश राज, मधुबाला, गौतमी, अदिति बालन, अनन्या नगल्ला और जीशु सेनगुप्ता भी दिखाई देंगे।

इसके जरिए साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की छह साल की बेटी अल्लू अरहा फिल्मों में कदम रखने जा रही हैं। अल्लू ने सोशल मीडिया पर यह ऐलान कर लिखा था, अल्लू परिवार के लिए यह गर्व की बात है कि परिवार की चौथी पीढ़ी अल्लू अरहा शाकुंतलम से फिल्मों में अपनी शुरुआत करने जा रही है। सामंथा संग मेरी फिल्मी यात्रा खास रही है। मैं खुश हूं कि अरहा, सामंथा के साथ उनकी फिल्म से डेब्यू कर रही है। सामंथा जल्द ही तेलुगु फिल्म कुशी में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। इस तेलुगु रोमांटिक फिल्म में उनके साथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा नजर आएंगे। फिल्म अगले साल रिलीज होगी। शिव निर्वाण इस फिल्म के निर्देशक हैं। इसके अलावा एक हिंदी फिल्म आराध्या उनके खाते से जुड़ी है। सामंथा अंतरराष्ट्रीय सीरीज सिटाडेल के हिंदी वर्जन में वरुण धवन के साथ काम करने को लेकर भी चर्चा में हैं। उनकी टीम इस खबर पर अपनी मोहर लगा चुकी है।

रुखे मुंह की समस्या को दूर करने में मदद कर सकते हैं ये 5 घरेलू नुस्खे

रुखे मुंह की समस्या को हाइपोसैलिवेशन या जेरोस्टोमिया के रूप में भी जाना जाता है। यह तब होता है जब आपके मुंह में लार ग्रंथियां पर्याप्त लार नहीं बनाती हैं, जिसके कारण मुंह में लगातार सूखापन बना रहता है। डिहाइड्रेशन, दवाओं का नकारात्मक प्रभाव और बढ़ती उम्र आदि इस समस्या के मुख्य कारण हो सकते हैं। आइए आज हम आपको पांच घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिन्हें आजमाने से यह समस्या प्रभावी तरीके से दूर हो सकती है।

मुंह में लार बढ़ाने में मददगार है अदरक

अदरक में जिंजरोल नामक बायोएक्टिव यौगिक मौजूद होता है, जो मुंह की लार को बढ़ाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए ताजा अदरक का एक छोटा टुकड़ा लें और इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर इसे एक कप पानी में उबालें। अब इस मिश्रण को छान लें और स्वाद के लिए इसमें थोड़ा शहद मिलाकर तुरंत पी लें। वैकल्पिक रूप से आप पूरे दिन अदरक के एक टुकड़े को चबा भी सकते हैं।

ग्रीन टी के सेवन से भी होगा फायदा

ग्रीन टी अदरक वाले पानी की तरह रूखे मुंह का इलाज प्रभावी तरीके से कर सकती है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण मुंह की लार के प्रवाह को बढ़ाने के लिए भी जाना जाता है। लाभ के लिए ग्रीन टी की कुछ पत्तियां लें और एक कप पानी में उबालें। फिर चाय को छान लें और स्वाद के लिए इसमें शहद मिलाकर तुरंत सेवन करें। दिन में दो से तीन बार ग्रीन टी का सेवन करना ज्यादा अच्छा है।

एलोवेरा का इस्तेमाल भी करेगा मदद

जब सौंदर्य और स्वास्थ्य की बात आती है तो एलोवेरा के अनंत लाभ होते हैं। यह लार ग्रंथियों की कार्यक्षमता को सुधारकर मुंह में लार के उत्पादन को भी बढ़ा सकता है। लाभ के लिए रोजाना एक बार एलोवेरा जूस का सेवन कर सकते हैं। हालांकि, यदि आप मुंह में एलोवेरा जेल लगा रहे हैं तो आपको इसे दिन में दो से तीन बार लगाना चाहिए।

सौंफ खाने से भी मिलेगा लाभ

सौंफ प्लांट मेटाबोलाइट्स के एक समूह से भरपूर होती है, जिन्हें फ्लेवोनोइड्स कहा जाता है। फ्लेवोनॉयड्स मुंह में लार के उत्पादन को बढ़ाने और इसे साफ रखने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सौंफ का सेवन आपके मुंह को लंबे समय तक ताजा रखने के साथ-साथ सांसों की बदबू को दूर रखने में भी मदद कर सकता है। लाभ के लिए हर समय का भोजन करने के बाद थोड़ी सौंफ चबाएं।

रोजमेरी भी है असरदार

रोजमेरी में सौंफ की जैसी एक अच्छी सुगंध होती है। वहीं, इसमें मौजूद एंटी-सेप्टिक और सुखदायक गुण रूखे मुंह की समस्या का इलाज करने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए एक गिलास पानी में रोजमेरी की लगभग 10-12 पत्तियां डालें और उन्हें रात भर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। फिर अगली सुबह इस पानी का इस्तेमाल कुल्ला करने के लिए करें।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

कलेक्टर ने विभिन्न निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

सुकमा। कलेक्टर हरिस एस. ने छिन्दगढ़ विकासखण्ड के अंतर्गत चल रहे विभिन्न निर्माण व मरम्मत कार्यों का जायजा लिया। इन कार्यों की भौतिक प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्होंने शीघ्र ही पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत छिन्दगढ़ के मुख्य कार्यापालन अधिकारी एसएल देवांगन, कार्यपालन अभियंता अनिल राठौर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर हरिस एस. ने संबंधित अधिकारियों को तेजी से निर्माण व मरम्मत कार्य कराने के निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाना चाहिए। कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने पाकेला ग्राम में तालाब और उप स्वास्थ्य केन्द्र मरम्मत कार्य, रोकेल में पोटोकेबिन मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। पेरमारास में मनरेगा अंतर्गत निर्मित डबरी निर्माण सहित तालाब और तोंगपाल स्थित 100 सीटर आश्रम का निरीक्षण किया। वहीं कुमाकोलेंग स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्र मरम्मत कार्य, पुसपाल में बन रहे स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल भवन निर्माण का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर हरिस एस. ने ओलेर नाला में 24 मीटर पुलिया निर्माण के साथ ही ओलेर-सीतापाल सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

बस्तर प्रकृति बचाओ समिति का स्थापना दिवस मनाया गया

जगदलपुर। प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन हेतु बस्तर की सबसे पुरानी संस्था बस्तर प्रकृति बचाओ समिति की स्थापना दिवस के अवसर पर तितिरगांव, धरमपुरा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लगभग चालीस वर्षो से सक्रिय इस संस्था की स्थापना पर्यावरणविद स्व.शरदचन्द्र वर्मा, स्व.बसंत अवस्थी, रविशंकर बाजपेयी, किरीट दोशी आदि के द्वारा की गई थी। स्थापना दिवस कार्यक्रम में विगत वर्ष के कार्यो, तथा गतिविधियों की समीक्षा की गई। सदस्यों द्वारा पौधा रोपण, वनों को बचाने, जल संकट के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। साथ ही संस्था के नये सदस्यों द्वारा पर्यावरण जागरूकता, स्कूलों में और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ाने का संकल्प भी लिया गया। वर्ष 2023 हेतु सर्वसम्मति से नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। संरक्षक श्रीमती विमला वर्मा, बीएनआर नायडू, अध्यक्ष दशरथ कश्यप, उपाध्यक्ष बुलबुल विश्वास, डा. हितेन्द्र सिंह, सचिव मदनआचार्य, सह सचिव विवेक वास्तव, कोषाध्यक्ष मुकेश सोनी, कार्यकारिणी सदस्य उमेश चन्द्र आचार्य, देवव्रत बराल, बीसी नागे, मोती राम सेठिया, उमेश पानीग्राही, जगदीश चन्द्र दास, उर्मिला आचार्य को बनाया गया है। स्थापना दिवस के इस कार्यक्रम में प्रतीकात्मक रूप से चंदन और आम के पौधों का रोपण किया गया।

साल 2022 में रेलवे की उपलब्धि...

एक्सट्रा कोच से सवा लाख से ज्यादा लोगों को मिली कन्फर्म बर्थ, वंदे भारत सहित तीन ट्रेनों की शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए वर्ष 2022 बेहतर सेवाओं वाला रहा है। बेहतर यात्री सुविधाओं के लिए रेलवे ट्रैक अपग्रेड करने से लेकर नई ट्रेनों की सुविधा भी दी गई। वर्ष भर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा ट्रेनों में दी गई अतिरिक्त कोच की सुविधा से सवा लाख से ज्यादा यात्रियों को कन्फर्म बर्थ की सुविधा मिली है। यही नहीं वंदेभारत एक्सप्रेस सहित तीन नई ट्रेनों को भी शुरू किया गया है। इसके अलावा सुरक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां रहीं हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले सभी स्टेशनों पर मापदंड के अनुसार अधिक से अधिक यात्री सुविधाएं प्रदान की जा रही है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 318 स्टेशनों में एनएसजी-2 श्रेणी के 03 स्टेशन बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग है । एनएसजी-3 श्रेणी के 05 स्टेशन रायगढ़, गोंदिया, चांपा, राजनांदगाव एवं भाटापारा है । एनएसजी-4 श्रेणी के 14 स्टेशन भिलाई पावर हाउस, भंडारा रोड, अनुपपुर, कोरबा, शहडोल, अंबिकापुर, इतवारी, पेंड्रारोड, उमरिया, चांदापोर्ट, रामटेक, कामठी, छिंदवाड़ा एवं डोंगरगढ़ है । बाकि एनएसजी-5 श्रेणी के 30 स्टेशनों सहित एनएसजी-6 श्रेणी के 156 स्टेशन, एचजी-2 श्रेणी तथा एचजी-3 श्रेणी के 110 स्टेशन अवस्थित है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के समस्त 318 रेलवे स्टेशनों पर श्रेणियों के आधार पर रेलवे बोर्ड के मानक के आधार पर यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है । बुजुर्ग एवं जरूरतमन्द रेल यात्रियो को आसानी से एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर पहुंचने में आसानी हो इसके लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के स्टेशनों में 20 लिफ्ट, 05 एस्केलेटर एवं 174 फुट ओवर ब्रिज उपलब्ध है । इनमें 6 लिफ्ट, 1 एस्केलेटर एवं 23 फुट ओवर ब्रिज का निर्माण वर्ष 2022 के दौरान पूरा किया गया है । साथ ही साथ अतिरिक्त 8 लिफ्ट, 9 एस्केलेटर एवं 14 फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य प्रगति पर है ।

दिव्यांगों के लिए 78 स्टेशनों पर रैंप की सुविधा

दिव्यांगजनों के प्रति अपने सामाजिक दायित्व तथा कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे द्वारा दिव्याङ्ग यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन प्लेटफार्म में प्रवेश के लिए 78 स्टेशनों पर रैंप की सुविधा दी गई है। 19 प्रमुख स्टेशनों पर ट्रेन में प्रवेश करने की सुविधा के लिए पोर्टेबल रैंप की सुविधा उपलब्ध कराई गई है । 203 स्टेशनों पर दिव्यांगों के लिए विशेष शौचालय उपलब्ध है। ट्रेनों में दिव्याङ्गजन के लिए एक अलग कोच उपलब्ध है । दृष्टी बाधित यात्रियों के लिए 20 स्टेशनों पर टेक्टाइल मैप लगाया गया है। दिव्याङ्गो, वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8 स्टेशनों बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, रायगढ़, गोंदिया, राजनांदगांव, डोंगरगढ़ एवं इतवारी में बैटरी आपरेटेड कार की सुविधा उपलब्ध कराई गई है । 202 स्टेशनों पर व्हील चेयर एवं स्ट्रेचर आदि की भी व्यवस्था निःशुल्क दी गई है।

वंदेभारत की मिली सौगात

वर्ष 2022 के दौरान 03 नई ट्रेनें बिलापुर-नागपुर-बिलासपुर, वन्दे भारत, अम्बिकापुर-निज़ामुद्दीन-अंबिकापुर एक्सप्रेस एवं इतवारी-छिंदवाड़ा-इतवारी पैसेंजर सेवा की शुरुआत की गई। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरूआत से इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा और यात्रा का एक आरामदायक और तेज माध्यम उपलब्ध हो गया है। इससे नागपुर से बिलासपुर की यात्रा में लगने वाला समय घटकर 5 घंटे 30 मिनट हो गया है। यह देश में शुरू की जाने वाली छठी वंदे भारत ट्रेन है तथा मध्य भारत की यह पहली वंदेभारत ट्रेन है जो महाराष्ट्र तथा छतीसगढ़ राज्य को जोड़ रही है। साथ ही यह इस रूट पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने वाली पहली ट्रेन है । सुविधाओं के लिहाज से यह जमीन पर हवाई जहाज का एहसास करा रही है।

अतिरिक्त कोचों की व्यवस्था

वर्ष 2022 के दौरान ग्रीष्मकालीन अवकाश एवं त्योहारो के मौसम के दौरान अत्यधिक भीड़ को देखते हुए विभिन्न ट्रेनों में 24 स्थायी व दो हजार से अधिक अस्थायी कोच लगाए गए । इससे 1.20 लाख से अधिक यात्रियों को कन्फर्म आरक्षित बर्थ की सुविधा उपलब्ध कराई गई । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निरंतर यात्रियों के आरामदायक यात्रा के लिए प्रतिबद्ध है । वर्तमान में किए जा रहे विभिन्न आधारभूत संरचना के कार्यों से भविष्य में दीर्घकालिक रूप से इस सुविधा को और अधिक विस्तारित किया जाएगा ।

मुख्यमंत्री की परिकल्पना हुई साकार, स्लम क्षेत्र में रहने वाले लोगों को मिल रहा गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दन्तेवाड़ा। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना से अब जिले वासियों को आराम मिल रहा है। लोगों को घर के समीप ही गुणवत्ता युक्त नि:शुल्क इलाज और उपचार की सुविधा मुहैया कराई जा रही है। शहरों की स्लम बस्तियों में रहने वालों को एक बड़ी सुविधा दी है। अब यहां के रहवासियों को इलाज के लिए अस्पताल जाने या खून की जांच और अन्य स्वास्थ्य परीक्षण के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ता।

अब उनके इलाके में मोबाइल मेडिकल यूनिट चिकित्सक के सहित खड़ी हो रही है। स्वास्थ्य से संबंधित रोग एवं उसके रोकथाम की जानकारी दी जा रही जा रही है। गंभीर बीमारियों की रोकथाम और उपचार के लिये आज हमारे पास बेहतर स्तर की सुविधाएं, संसाधन एवं तकनीक उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना जैसे नए नए नीतियों के समावेशन से रोगों के रोकथाम में सहायता मिली है। **शहरी स्लम मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा निशुल्क जांच एवं उपचार : स्लम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मिल रहा योजना का लाभः** मुख्यमंत्री शहरी स्लम योजना अंतर्गत जिले में कुल 05 नगरीय निकायों में 02 नग मोबाईल मेडिकल यूनिट संचालित है। जिसमे नगरवासी मौसमी बुखार,मलेरिया, एनीमिया, टीबी, सर्दी, खांसी, शुगर, बीपी,के साथ गंभीर बीमारियों का इलाज कराने प्रतिदिन पहुँचते हैं। जहां एक ओर सामान्य बीमारी के लिए जिला अस्पताल जाकर इलाज करवाने में काफी समय लगता था परंतु अब उचित इलाज के साथ समय की भी बचत हो रही है। साथ ही सही समय पर रोगों की पहचान कर तुरंत उपचार किया जा रहा है। इस योजना के तहत 429 कैंप का आयोजन किया जा चुका है। जिसमें अब तक 16 हजार 788 लोग मोबाईल मेडिकल यूनिट से लाभ ले चुके हैं साथ ही 5140 लैब टेस्ट एवं 15035 मरीजों को दवाई वितरण किया गया है। इस योजना के तहत 41 प्रकार के टेस्ट एवं 251 प्रकार जेनेरिक दवाइयां निशुल्क प्रदान किया जाता है।

सार्वजनिक स्थानों में जलाए जा रहे अलाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अपने सभी जोन के प्रमुख चौक-चौराहों, अधिक आवाजाही वाले स्थानों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड आदि सहित अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर विगत एक माह से अलाव जलवाए जा रहे हैं, लगातार बढ़ रही ठंड के इस मौसम में अलाव लोगों को ठंड से बचने हेतु सहारा बन रहे हैं।

शीत ऋतु के आगमन व बढ़ती ठंड को देखते हुए महापौर राजकिशोर प्रसाद एवं आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने राहगीरों, नागरिकों को अलाव सुविधा उपलब्ध कराने के मद्देनजर निगम क्षेत्र के विभिन्न चौक-चौराहों, सार्वजनिक स्थानों तथा ज्यादा आवाजाही वाले स्थलों में रात्रि के समय अलाव जलाए जाने के निर्देश निगम के जोन अधिकारियों को दिए गए हैं, जिसके तहत निगम द्वारा कोरबा शहर तथा उसके उपनगरीय क्षेत्रों के विभिन्न चौक-चौराहों व सार्वजनिक स्थानों, बस स्टैण्ड रेलवे स्टेशन आदि में शाम होते ही प्रतिदिन अलाव जलाए जा रहे हैं, ठंड से बचने के लिए लोग इन अलावों का सहारा ले रहे हैं।

इन स्थानों पर जलाए जा रहे अलाव- नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा रेलवे स्टेशन कोरबा, पुराना बस स्टैण्ड, सुनालिया चौक, चिमनीभटठा, टी.पी.नगर चौक, नया बस स्टैण्ड, स्टेडियम गेट चौक, सी.एस.ई.बी.चौक, महाराणा प्रताप चौक बुधवारी, नीलाम्बरी चौक, निहारिका सुभाष चौक, गुरू घांसीदास चौक, मुड़ापार बाजार, घंटाघर, बस स्टैण्ड बालको, बांकीमोंगरा जोन के शक्ति चौक, सोमवारी बाजार व बजरंग बली चौक सहित अन्य स्थानों में अलाव जलाए जा रहे हैं।

टीम वर्क में लक्ष्य को प्राप्त करना होता है आसान - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। नव वर्ष के उपलक्ष्य में आज कलेक्टोरेट कार्यालय परिसर के गार्डन में नूतन वर्षाभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर डोमन सिंह ने छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर माल्यापर्ण किया। सभी जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कलेक्टोरेट के अधिकारियों-कर्मचारियों को नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस गार्डन के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण में नगर निगम, उद्यानिकी के साथ ही कृषि तथा वन विभाग का भी योगदान रहा है। उन्होंने कम समय में इस कार्य को पूर्ण करने के लिए सभी को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि इस कार्य को देखते हुए सीखने एवं मनोबल बढ़ाने की भी बात है कि किस तरह टीम वर्क में आसानी से कार्य शीघ्रता से पूर्ण किया जा सकता है। यह सुखद परिणाम इस गार्डन के सौंदर्यीकरण के रूप में परिलक्षित हो रहा है। कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी तथा जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी हर माह के तीसरे शनिवार को मेरा घर-मेरा दफ्तर अभियान के अंतर्गत यहां गार्डन में श्रमदान करें तथा इसे खुबसूरत बनाए रखने में योगदान दें। यह गार्डन एक खुशनुमा माहौल के रूप में कलेक्टोरेट को प्रतिबिंबित करता है और इसे सजाने-संवारने के लिए आगे आना है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह के अवांछनीय तत्व पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार ने कहा कि कलेक्टर के मार्गदर्शन में कलेक्टोरेट के इस गार्डन में बदलाव एवं परिवर्तन आया है। इसके लिए उन्होंने नगर पालिक निगम एवं उद्यानिकी विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यदि सभी विभाग अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए संकल्प लें तो ऐसे ही परिवर्तन लाया जा सकता है। आगे भी इसी तरह कार्य करते हुए जिले का नाम रौशन करें। नगर निगम आयुक्त डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि कलेक्टर के मार्गदर्शन में एक परिवार की तरह इस खुबसूरत गार्डन का आगाज हुआ है। उन्होंने नववर्ष की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन के दौरान संयुक्त कलेक्टर खेमलाल वर्मा ने कहा कि वर्ष 2023 सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आए। इस दौरान सभी ने जनसंपर्क विभाग द्वारा गार्डन में फोटो के माध्यम से डिस्पले की गई जिले की उपलब्धियों की झांकी का अवलोकन किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, एसडीएम अरूण वर्मा, डिप्टी कलेक्टर सरस्वती बंजारे, जिला ई-प्रबंधक सौरभ मिश्रा, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता सहित जिला स्तरीय अधिकारी तथा कलेक्टोरेट के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के कलापथक दल द्वारा छोड़ो कल की बातें..., कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती..., गेंदा फूल पंखुड़ी..., सहित विभिन्न सुमधुर गीत-संगीत की प्रस्तुति दी गई।

मनरेगा से मजदूरों के हाथों में काम, किसान हुए खुशहाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद । जिले में महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत निर्मित व्यक्तिगत भूमि सुधार कार्य से जहां एक ओर मजदूरों के हाथों में काम मिला है, वहीं भूमि सुधार कार्य से किसानों के खेतों की पैदावारी बढ़ी है। ऐसा ही एक किसान ग्राम घुटकुनवापारा निवासी परमानंद है, जिन्होंने अपने कृषि भूमि सुधार कर धान फसल की पैदावारी बढ़ाने में सफलता हासिल की है।

किसान परमानंद के कृषि भूमि सुधार हेतु स्वीकृत कार्य से गांव के 361 जॉब कार्डधारी मजदूरों को मनरेगा के तहत रोजगार उपलब्ध हुई है। उक्त ग्राम में पर्याप्त मात्रा में कृषि भूमि है, जिसमें से अधिकतर भूमि भर्री है, जहॉ पर फसल का उत्पादन नाम मात्र होता है। ग्रामसभा के माध्यम से ग्रामीणों ने कृषि भूमि सुधार की जानकारी लेकर अपने कृषि भूमि में सुधार कार्य स्वीकृत कराने आगे आये। जॉब कार्डधारी व किसान श्री परमानंद ने भी अपने जमीन में भूमि सुधार का कार्य कराने हेतु आवेदन किया। जनपद पंचायत के माध्यम से प्राक्कलन तैयार कर प्रशासकीय स्वीकृति हेतु जिला पंचायत को प्रस्तुत की गई। जिसके आधार पर 1.03 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई। जनपद पंचायत के तकनीकी मार्गदर्शन से गुणवत्तापूर्ण भूमि सुधार कार्य किया गया, जिसमें स्वयं हितग्राही व उनके परिवार के मजदूरों द्वारा कार्य किया गया है।

कृषक परमानंद निषाद ने बताया कि पहले वह रोजी-मजदूरी के साथ-साथ खेती किसानी का कार्य करता था। परन्तु भर्री जमीन होने से उन्हें उचित लाभ नहीं मिल पा रहा था। उन्होंने नया करने के प्रयास के साथ भूमि सुधार हेतु पहल किया। अब फसलों की पैदावारी बढ़ने से उसे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया है। किसान परमानंद ने भूमि सुधार कार्य होने के पश्चात् अपने खेत में धान का फसल लगाया व मेड़ो में तिल का फसल लगाकर आज अपनी आय को दुगुना कर लिया है। भूमि सुधार होने से पूर्व वह अपने जमीन पर फसल उगा पाने में असमर्थ था।

परन्तु भूमि सुधार कार्य करावाने के पश्चात् अब ज्यादा फसल उत्पादन होने से प्रति वर्ष अच्छी आमदनी हो रही है। पूर्व में जमीन में उपज कम होती थी, परन्तु वर्तमान समय में फसल उत्पादन अच्छी होने से वह अपने परिवार का भरण पोषण अच्छे तरीके से कर पा रहा है। बंजर भूमि को मुक्त में फसल योग्य भूमि बनाये जाने में सहयोग के लिए परमानंद खुश होकर शासन प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने हुए वह गांव के अन्य कृषकों को भी भूमि सुधार के लिए प्रेषित कर रहा है।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

नशे में धुत्त युवती ने जिला अस्पताल में किया हंगामा वीडियो बना रहे सुरक्षाकर्मी का तोड़ा मोबाइल

कोरबा। मेडिकल कॉलेज के अधीन संचालित जिला अस्पताल में नशे में चूर एक युवती ने स्वास्थ्य कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार करते हुए जमकर हंगामा किया। युवती की हरकत देख निजी सुरक्षाकर्मियों ने उसका वीडियो भी बनाना चाहा लेकिन युवती ने मोबाईल तोड़ दिया। अस्पताल में देर रत एक युवती का हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। नशें में बुरी तरह से चूर युवती ने अस्पताल में काफी देर तक हंगामा किया, उसने ऐसा क्यों किया इस बात का पता नहीं चल सका, लेकिन उसकी इस हरकत से अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। युवती ने ड्युटी में तैनात चिकित्सक से भी अभद्रता की। इतना ही नहीं उसने कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को भी नहीं बख्शा और मोबाइल से वीडियो बनाने पर उसे तोड़ दिया।

गैस की समस्या लेकर पहुंची अस्पताल

बताया जा रहा है कि युवती कुछ युवकों के साथ अस्पताल में गैस का उपचार कराने पहुंची थी। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा ड्रिप लगाने पर वह भड़क गई और जमकर हंगामा किया। युवती के खिलाफ स्वास्थ्य कर्मियों ने डीन से शिकायत की है, वहीं युवती द्वारा किए गए इस ड्रामे का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है।

13 बल्क लीटर महुआ शराब बरामद, आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद (ए)। कलेक्टर मलिक के निर्देश तथा जिला आबकारी अधिकारी प्रभाकर शर्मा के मार्गदर्शन में आबकारी वृत गरियाबंद के अंतर्गत चिखली मोड पर पैरी नदी के किनारे ग्राम चिखली निवासी रविकुमार के होटल/ठेला की तलाशी ली जाने पर उनके कब्जे से 13 बल्क लीटर हाथ भटठी कच्ची महुआ शराब बरामद किया गया। इस पर आबकारी विभाग की ओर से आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) 59 (क) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर रविकुमार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में 11 जनवरी 2023 तक जेल भेज दिया गया है। आबकारी विभाग की इस कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक विजयेन्द्र कुमार, दरस राम सोनी के टीम में आबकारी आरक्षक पिताम्बर चौधरी, सैनिक पद्मन साहू, मिथलेश सिन्हा, महिला सैनिक हेमबाई साहू, वाहन चालक गोवर्धन सिन्हा, कुलेश्वर निषाद का योगदान रहा।

शराब पीकर शाला आने वाला सहायक शिक्षक निलंबित

कोरबा (ए)। बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने और शराब पीकर विद्यालय आने वाले सहायक शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही लंबे समय से शाला नहीं आने वाले सहायक शिक्षक की दो वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव से रोकने के आदेश जारी किए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए है। जारी निलंबन आदेशानुसार विकासखण्ड कोरबा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला सरसाडेवा में पदस्थ सहायक शिक्षक (एलबी) श्याम कुमार परमार विगत कई माह से अनुपस्थित रहते हैं। जब कभी स्कूल आते हैं तो शराब का सेवन करके आते हैं।

धर्मांतरण पर बवाल, नगर बंद और हाइवे जाम, पत्थरबाजी में एसपी घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। जिले में धर्मांतरण पर सोमवार को भारी बवाल हुआ। यहां दो पक्षों के बीच जमकर हाथापाई हुई। इस दौरान लाठीडंडे तो चले ही पत्थरबाजी भी हुई। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा इसके बाद भी पत्थरबाजी नहीं थमी। पत्थरबाजी में नारायणपुर एसपी सदानंद कुमार घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि इनके सिर पर पत्थर लगी है। इस दौरान सर्व आदिवासी समाज ने नगर बंद करा दिया है। सूचना के बाद आईजी बस्तर मौके पर पहुंचे।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार नारायणपुर में धर्मांतरण को लेकर दो पक्षों में जमकर बवाल हुआ हैं। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर लाठी डंडे बरसाए और दोनों ओर से पथराव हुआ। मौके पर पहुचे नारायणपुर एसपी को पत्थर लगा है जिससे उनके सिर पर चोट आई है। इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी हालात सामान्य बताई जा रही है। घटना की सूचना के बाद बस्तर आईजी सुंदरराज पी घटना स्थल के रवाना हुए।

बताया जा रहा है कि बवाल के दौरान नारायणपुर-कोंडागांव स्टेट हाईवे जाम कर दिया गया। फिलहाल पुलिस ने हालात संभाल लिए हैं।

बताया जा रहा है यहां सर्व आदिवासी समाज ने दूसरे पक्ष पर धर्मांतरण का आरोप लगाया है। रविवार को इसे लेकर बवाल हुआ। इसबीच सोमवार को आदिवासी समाज के लोगों की बैठक बुलाई गई। इससे पहले इनके लीडर्स को कलेक्टर चेंबर में बुलाया गया और एसपी की मौजूदगी में सभी से बात भी हुई। इस बीच कुछ लोगों ने चर्च में तोड़फोड़ शुरू कर दी। बवाल बड़ा तो एसपी सदानंद कुमार मौके पर पहुंचे तो उनपर भी हमला हुआ। इससे उनके सिर पर चोट आई है। अस्पताल में इलाज के बाद एसपी सदानंद का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

महिला को घर से उठा ले गया आदमखोर तेंदुआ, कुछ दूरी में मिली लाश

मनेन्द्रगढ़ (ए)। छत्तीसगढ़ के वन मंडल मनेंद्रगढ़ में मंगलवार सुबह आदमखोर तेंदुए ने एक महिला पर हमला कर उसे मौत के घाट उतारा दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन अमला मौके पर पहुंचा है। बता दें कि तेंदुआ के मानव पर हमले की यह तीसरी घटना है, जिसमें अब तक दो महिला की मौत हो चुकी है।

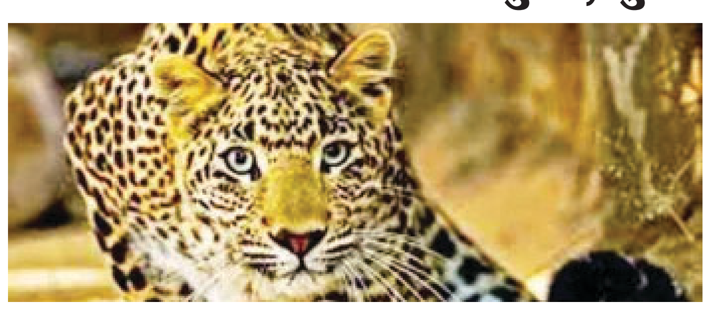

रेंजर चंद्रमणि तिवारी से मिली जानकारी के अनुसार जनकपुर परिक्षेत्र के कुंवारी बीट के ग्राम सिंगरौली के पुरनिहापारा में आज सुबह करीब 7.30 बजे उमाबाई बैगा अपने घर के पास थी। तभी तेंदुआ उसे उठाकर ले गया। महिला के गले पर वार करने पर उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए हैं।

नए साल का जश्न मनाकर लौट रहा था परिवार रास्ते में पेड़ से टकराई कार, चार लोगों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। नए साल के पहले दिन पिकनिक मनाकर लौट रहे लोगों की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। कार में कुल 10 लोग सवार थे इनमें से 6 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार बिलासपुर का परिवार पिकनिक मनाने जशपुर के गुल्लु फॉल गया हुआ था। परिवार के 10 लोग एक ही कार में सवार होकर गए थे। दिनभर नए साल का जश्न मनाने के बाद देर शाम वे लौट रहे थे। गुल्लु फॉल से निकलने के बाद रास्ते में इनकी कार अनियंत्रित हो गई और पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना भयानक था कि कार के सामने का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को बाहर निकाला। इस दौरान चार लोगों की मौत हो चुकी थी। मृतकों में पिता पुत्र भी शामिल हैं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

हादसे के बाद गुल्लू फॉल के पास पहुंचे जशपुर एसपी ढलान पर हादसे राकने अफसरों को दिए निर्देश

जशपुर। रविवार को जिले के गुल्लू वाटर फॉल के पास हुए हादसे के बाद सोमवार को जशपुर एसपी डी.रविशंकर ने घटना स्थल का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कुनकुरी संदीप मित्तल, नायब तहसीलदार नागेश तांजेय, थाना प्रभारी नारायणपुर निरीक्षक जनक राम कुर्रे, उप अभियंता लोक निर्माण विभाग विरेन्द्र लकड़ा एवं वन विभाग से हेमंत कुमार यादव उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने ढलान क्षेत्र में दुर्घटनाएं रोकने आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बता दें थाना नारायणपुर अंतर्गत ग्राम बेने में रविवार को पिकनिक मनाकर लौट रहे परिवार मारूती इको कार पेड़ से टकरा गई थी। एक मारूती ईको वाहन में सवार 11 व्यक्ति जो गुल्लू वाटरफॉल से पिकनिक मनाकर वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान शाम लगभग 06 बजे ढलान तीखा मोड़ में अनियंत्रित होकर वाहन पेड़ से टकरा गया। हादसे में जिसमें 4 व्यक्तियों की मौत हो गई। 05 घायलों को ईलाज चल रहा है और 2 को ईलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

इधर घटना स्थल का निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डी रविशंकर ने सड़क सुरक्षा से संबंधित आवश्यक कदम उठाने एवं सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। घटनास्थल क्षेत्र में रेडियमयुक्त रिफलेक्टर लगाने, घाट के दोनों ओर सूचनात्मक बोर्ड लगाने, गति नियंत्रण हेतु बोर्ड लगाने एवं सड़क के सकरे पैच को चौड़ीकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिये गए। उक्त घटनास्थल क्षेत्र बादलखोल अभ्यारण क्षेत्रांतर्गत आता है, वन विभाग को हाथियों के विचरण क्षेत्र संबंधी सूचनात्मक बोर्ड लगाने का निर्देश भी दिया गया है।

घटना स्थल क बाद एसपी डी.रविशंकर द्वारा होलीक्रास अस्पताल कुनकुरी में घायलों से भी मुलाकात की।

अगरबत्ती फैक्टरी में लगी भीषण आग, कड़ी मशक्कत के बाद दमकल विभाग ने पाया काबू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पुलगांव की अगरबत्ती फैक्ट्री में सोमवार दोपहर को भीषण आग लग गई। आग की सूचना के बाद दमकल विभाग टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के कारण फैक्ट्री का सारा सामान जलकर राख हो गया है। बताया जा रहा है कि कंपनी का लाखों का नुकसान हुआ है।

सोमवार दोपहर 2 बजे दमकल विभाग को सूचना मिली थी। पुलगांव के अंतर्गत ग्राम धनोरा पर स्थित अगरबत्ती की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। सूचना मिलने के बाद अग्निशमन दल को रवाना किया गया। मौके पर पहुंची टीम ने पहुंचकर अग्निशमन कर्मियों ने बड़ी मशक्कत से फैक्ट्री में लगी आग को बुझाया। आग लगने का कारण पता नहीं चला है। कार्रवाई के दौरान जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी नागेन्द्र कुमार सिंह के साथ अग्निशमन कर्मी घनश्याम यादव, नगर सैनिक जवान धनऊ ठाकुर, संतोष, जीतेन्द्र व फायर ऑपरेटर दुर्गा मार्कण्डेय की भूमिका सराहनीय रही।

शादीशुदा युवती को भगा लाया बेटा तो बाप ने कुल्हाड़ी मार कर की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामाने आया है। नए साल के दिन एक युवक अपनी शादी शुदा प्रेमिका के साथ अपने घर पहुंचा। बेटे की इस करतूत से पिता काफी नाराज हुआ। इसके बाद दोनों में विवाद हुआ तो पिता ने घर पर रखी कुल्हाड़ी से बेटे को तब तक मारा जब तक की उसकी मौत नहीं हो गई। घटना के बाद वह गांव के सरपंच के पास भी पहुंचा और झूठी कहानी बनाने का प्रयास किया। लेकिन ज्यादा देर तक वह बच नहीं पाया। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार यह घटना सरगुजा जिले के बतौली थाना क्षेत्र का है। यहां के सुआरपारा गांव निवासी शिवकुमार पैकरा रविवार शाम को एक युवती को लेकर घर पहुंचा। माता-पिता को बताया कि वह उससे शादी करना चाहता है। युवती पहले से शादीशुदा और एक बच्चे की मां थी। माता-पिता ने अपने बेटे को समझाया कि यह ठीक नहीं है युवती को अपने पति के घर छोड़ आओ। लेकिन युवक मानने को तैयार नहीं था और शादीशुदा प्रेमिका से शादी करने की

जिद करने लगा। इसके बाद बेटे के साथ माता-पिता का विवाद होने लगा।

विवाद बढ़ा और नौबत हाथापाई तक आ गई। बाप बेटे की लड़ाई शुरू होने से युवक के साथ आई युवती वहां से भाग गई। इधर गुस्साए पिता रामजीत पैकरा ने घर में रखी कुल्हाड़ी लाई और बेटे पर वार कर दिया। इससे बेटा जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद पिता ने बेटे पर ताबड़तोड़ वार किए और गांव के सरपंच के पास जाकर बताया कि उसने बेटे को डंडे से मरा तो वह बेहोश हो गया है। जब सरपंच व अन्य गांव वाले उसके घर पहुंचे तो नजारा देख हैरान रह गए। बेटे की मौत हो चुकी थी। इसके बाद आरोपी पिता पुलिस से बचने गांव में छिप गया। सरपंच ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,

लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 22.12.2022

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)

(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र 'अ' में प्रतिशत दर पर **दिनांक 11.01.2023** तक आमंत्रित की जाती है :-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./ सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
260/118298	दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनू विश्वविद्यालय अंजोरा दुर्ग में फीड प्लांट एवं गोडाऊन निर्माण कार्य	62.45
261/118301	भिलाई-3 थाना में हेलीपेड के पास माननीय मुख्यमंत्री महोदय की सुरक्षा के लिए एफ- टाईप क्वार्टर निर्माण कार्य	30.01
262/118302	उपसंभाग क्र. 02 दुर्ग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न आवासीय भवनों मजबूतीकरण एवं मरम्मत कार्य	24.74
263/118303	उपसंभाग क्रं. 02 दुर्ग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गैर आवासीय भवनों मजबूतीकरण एवं मरम्मत कार्य	24.74
264/118304	अनुविभाग क्रं. 01 दुर्ग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनो में व्हाईट वांशिग, कलर वाशिंग, डिस्टेम्परिंग एवं पेंटिग कार्य	60.00
265/118305	उपसंभाग क्रं. 02 दुर्ग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू. बी.एम. एवं बी. टी. पेंच रिपेयर कार्य ।	80.00
266/118306	उपसंभाग क्र. 02 दुर्ग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न मार्गो में ग्रेन्ट्री बोर्ड लगाने का कार्य।	51.60
267/118307	अनुविभाग क्रं. 01 दुर्ग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनो में एम.ओ. डब्ल्यू. एवं अन्य जमा कार्य	50.00
268/118612	अनुविभाग क्रं. 01 दुर्ग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनो में विशेष मरम्मत एवं संधारण मरम्मत कार्य	79.49

टीप :

1. उक्त सभी एन.आई.टी. लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग से संबंधित है।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal से एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

जी-97241/3

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष - 0788-2210876

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

ग्राम पंचायत पतोरा में होगा ई-रिक्शा से कचरा एकत्रीकरण

दुर्ग। ग्राम पंचायत पतोरा को ई-रिक्शा क्रय करने हेतु शालिनी रिवेन्द्र यादव, अध्यक्ष, जिला पंचायत दुर्ग के माध्यम से जिला खनिज मद से राशि आबंटन करायी गई है। ग्राम पतोरा द्वारा क्रय किये गये ई-रिक्शा को शालिनी रिवेन्द्र यादव, अध्यक्ष, जिला पंचायत दुर्ग, अश्वनी देवांगन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग, अंजीता गोपेश साहू, सरपंच, ग्रा.पं. पतोरा द्वारा हरी झण्डी दिखाकर उद्घाटन किया गया। ई-रिक्शा का संचालन करने वाली सरस्वती दीदी स्व-सहायता समूह के सदस्यों को सुरक्षा सामग्री, स्वच्छता उपकरण, साड़ी एवं जूता आदि वितरण किया गया। घर-घर कचरा एकत्रीकरण करने हेतु जिले में प्रथम ग्राम ऐसा है, जहां ई-रिक्शा के माध्यम से महिला समूह द्वारा घर-घर कचरा एकत्रीकरण किया जावेगा। ग्राम पंचायत द्वारा पूर्व में स्वच्छता के क्षेत्र में बहुत से अच्छे कार्य किये गये हैं और इसी कड़ी में एक और नई पहल ग्राम पंचायत के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें सरस्वती दीदी महिला स्वसहायता समूह द्वारा ई-रिक्शा से कचरा कलेक्शन का कार्य किया जाएगा। इस तरह की पहल करने वाला पहला गांव ग्राम पंचायत पतोरा, विकासखंड पाटन है जहां नवाचार के माध्यम से लगातार नए नए कार्य किए जाते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष शालिनी यादव के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ई-रिक्शा और ट्रेक्टर ट्रॉली की खरीदी की गई।

सांई मंदिर में 5 को भजन संध्या, सप्तक म्यूजिकल ग्रुप देगी प्रस्तुति

दुर्ग। कसारीडीह सिविल लाईन स्थित साई बाबा मंदिर में 2023 के प्रथम गुरुवार 5 जनवरी को नए साल की खुशियां मनाई जाएगी। इस अवसर पर साई बाबा के संध्या आरती उपरांत 7.30 बजे सप्तक म्यूजिकल ग्रुप पद्मनाभपुर दुर्ग द्वारा भजन-संध्या की प्रस्तुति दी जाएगी। भजन-संध्या में म्यूजिकल ग्रुप के प्रसिद्ध कलाकार बीके नायडु,कृष्णा अग्रवाल,अमित शर्मा, सुचिता चितलांग्या, गौरव बोटके,भवानी अग्रवाल एवं अन्य साथी कलाकार सांई भजनों एवं अन्य धार्मिक गीत-संगीत से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। नए साल के प्रथम गुरुवार को संध्या आरती के उपरांत श्रद्धालुओं को विशेष महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। साई मंदिर समिति के अध्यक्ष कांत समर्थ व सचिव धनेन्द्र सिंह चंदेल ने उक्ताशय की जानकारी देते हुए श्रद्धालुओं से भजन-संध्या कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

शिवनाथ महोत्सव की महाआरती और दीपदान ने दुर्ग वासियों का मन मोह लिया

दुर्ग। नए वर्ष के प्रथम दिन आयोजित होने वाला शिवनाथ महोत्सव का यह तीसरा वर्ष था,महोत्सव की महाआरती का क्रेज ऐसा था कि श्रद्धालु दूसरे जिले और राज्यों से नया साल मनाने दुर्ग के शिवनाथ नदी पहुंचे, यहां की आरती बनारस और हरिद्वार की तर्ज पर की जाती है जो आतिशबाजी के साथ अद्भुत रहती है जिसे देखने हर वर्ग के लोग पहुंचते हैं। चाहे वो बुजुर्ग हों या युवा, यही कारण रहा की शिवनाथ महोत्सव के तीसरे वर्ष महमरा एनीकेट पर भक्तों की इतनी भीड़ रही की कदम रखने की जगह भी नहीं बची थी, आयोजन को आकर्षक बनाने हेतु 21000 दीपदान किए गए। साथ ही 12 ज्योर्तिलिंग,केदारनाथ मंदिर और शिव जी की तीन मुरूत वाली विशाल प्रतिमा लगाई गई। शिवनाथ महोत्सव में सभी वर्ग का खयाल रखा गया था।

3 करोड़ की लागत से हुडको में बनेगा सर्व मांगलिक भवन

संबंधित एजेंसी को दिया सख्त निर्देश कहा समय पर निर्माण कार्य पूरा करें और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखे

- नए साल के पहले दिन विधायक देवेंद्र यादव और महापौर नीरज संग पार्षद सीजू एंथोनी ने किया औचक निरीक्षण
- विधायक देवेंद्र यादव की पहल से शहरवासियों को मिलेगा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में रहने वाले सामान्य व गरीब वर्ग के लोगों को अब अपने बेटा- बेटी की शादी, सगाई व अन्य कार्यक्रम के लिए होटल व बड़े महंगे प्राइवेट शादी हॉल लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने आम नागरिकों के लिए एक भव्य सर्व सुविधा युक्त मांगलिक भवन का निर्माण हुडकों में करा रहे हैं। जिसका आज विधायक देवेंद्र यादव और महापौर नीरज पाल ने औचक निरीक्षण किया। मौके पर पहुंच कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता देखी। विकास कार्य के जानकारी ली। इस दौरान पूरे निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए विधायक देवेंद्र यादव ने संबंधित ठेकेदार को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरदास्त नहीं की जाएगी। समय पर निर्माण कार्य पूर्ण होना चाहिए और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। गौरतलब है कि इस भवन के निर्माण के बाद यहां नॉमिनल फीस देकर कर आम नागरिक भी बड़ी शान और शौकत के साथ शादी-पार्टी व सगाई कार्यक्रम आयोजित कर पाएंगे।

इसके लिए भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव से शहर के नागरिकों ने मांग की थी। जनता की मांग पर विधायक देवेंद्र यादव ने पहल की और प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था। जिस पर शासन ने स्वीकृति दे दी है और स्वीकृति मिलते ही विधायक श्री यादव ने टेंडर व वर्क आर्डर आदि प्रक्रियाओं को जल्द पूरा कराया। ताकि निर्माण कार्य जल्दी शुरू हो सकें और क्षेत्र की जनता को लाभ मिले। इससे पहले श्री यादव की पहल से एक सर्व मांगलिक भवन का निर्माण बैकुंठधाम के पास रोड़ किनारे बनाया गया है। उसी दर्ज पर एक और मांगलिक भवन का निर्माण हुडकों में किया जा रहा है।

सर्व सुविधा युक्त होगा भवन

मिली जानकारी के अनुसार सर्व मांगलिक भवन सर्व सुविधा युक्त होगा। मतलब यहां भव्य गार्डन से लेकर मैरिज हाल, बारातियो व मेहमानों के ठहरने के लिए एसी और नॉन एसी रूम होंगे। 25 कमरे होंगे। जिसमें से 20 कमरे लेटबॉथ अटेच होंगे। 5 कमरे सामान्य होंगे। जब पूरा भवन बनकर और सज कर पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। इसके बाद यहां के कमरे और हॉल में एसी लगाया जाएगा। साथ ही यहां एक बड़ा किचन भी बनाया गया है। डेढ़ सौ से दो सौ गाड़ियों को खड़ी करने के लिए पार्किंग होगी।

गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश

विधायक देवेंद्र यादव ने निर्माणाधीन एजेंसी को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरदास्त नहीं की जाएगी। निर्माण कार्य की गुणवत्ता का विशेषतौर पर ध्यान रखने के साथ ही समय पर निर्माण कार्य को पूरा करने का भी निर्देश विधायक श्री यादव ने दिया है। विधायक श्री यादव ने कहा कि जल्द ही सर्व मांगलिक हॉल बनने से पूरे शहर की जनता को लाभ होगा।

आयुक्त का दो टूक : साफ-सफाई व्यवस्था पर कोई समझौता नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वार्ड 36 गंजपारा में गलियों और सड़कों में साफ-सफाई व्यवस्था और भी बेहतर करने के दिये निर्देश। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने निरीक्षण के दौरान वार्ड के सुपर वाइजर को प्रतिदिन शहर के अपने वार्ड क्षेत्रो के गलियों का निरीक्षण करते हुए सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,सफाई दरोगा और सुपर वाइजर मौजूद थे।

इसके अलावा आयुक्त चन्द्राकर ने सीधा संदेश दिया कि साफ-सफाई व्यवस्था पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सफाई व्यवस्था भी दुरुस्त रखें। उन्होंने स्थानीय नागरिकों की समस्याएं भी सुनीं। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि गंजपारा स्थित भारतीय स्टेट बैंक के पीछे कबाड़ गाड़ी पड़ी हुई है कार्रवाही करें साथ ही लोगो के द्वारा मकान निर्माण होने के पश्चात इसके मलबे को सड़क के किनारे मकान मालिक द्वारा ऐसे ही खुले में छोड़ दिया गया है, उन्होंने कहा कि मकान मालिक को मलबा हटवाने को कहे अथवा समझाइश देने के बाद भी नहीं मानने पर जुर्माना लगाने की कार्रवाई करें और मलबा हटवाए। सड़क किनारे मलबा पड़े होने के कारण आवागमन में बाधा के साथ ही दुर्घटना की संभावनाएं बढ़ जाती है तथा गंदगी का आलम नजर आता है इसके साथ ही यह नाली को जाम कर देता है जिससे नाली सफाई में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे लोगो पर कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान मौजूद अधिकारियों ने बताया कि निगम क्षेत्र में स्वच्छता अभियान जोरो से चल रहा है शहर की सभी बड़े नाले एवं वार्डो में स्थित छोटी एवं बडी नालियों की सफाई व्यवस्था पर सतत् निगरानी रखी जा रही है और साफ सफाई लगातार जारी है।

मॉडल टाउन में 10 लाख की लागत से बनेगा सड़क महापौर ने भूमि पूजन कर प्रारंभ कराया कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत मॉडल टाउन वार्ड क्रमांक 3 में सीसी रोड का निर्माण किया जाएगा। आज महापौर नीरज पाल ने भूमि पूजन कर कार्य को प्रारंभ करवाया। इस दौरान एमआईसी मेंबर संदीप निरंकारी, लाल चंद वर्मा तथा स्थानीय पार्षद हरिओम तिवारी मौजूद रहे।

अधोसंरचना मद की राशि से सड़क का निर्माण होगा, 10 लाख की लागत से होने वाले सीसी रोड निर्माण कार्य की शुरुआत आज से हो चुकी है। अब मॉडल टाउन निवासियों को तथा भिलाई वासियों को इस क्षेत्र में खराब सड़कों से नहीं गुजरना होगा।

सड़क 4 में सीसी रोड का निर्माण होगा। निर्माण कार्य होने के पश्चात गड्ढों के कारण हादसे भी कम होंगे तथा राहगीरों को आने-जाने में असुविधा नहीं होगी, बारिश के दिनों में भी लोगों को कीचड़ से राहत मिलेगी। काफी समय से रहवासी रोड की मांग कर रहे थे जिसको देखते हुए स्थानीय पार्षद ने महापौर को सड़क की स्थिति से अवगत कराया।

महापौर ने इसे त्वरित संज्ञान लेकर निगम के अधिकारियों को एस्टीमेट तैयार करने के लिए निर्देश दिए। विभागीय प्रक्रिया पूरी करने के बाद आज विधि विधान से कार्य का भूमि पूजन कर सीसी रोड निर्माण कार्य प्रारंभ कराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में मोहल्ले वासी भी मौजूद रहे। मोहल्ले वासियों ने कार्य के लिए महापौर तथा निगम प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

भूमि पूजन के दौरान नेहरू नगर के जोन आयुक्त राजेंद्र नायक तथा कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा भी मौजूद रहे।

बेटे को किडनी डोनेट करना चाहती हैं मां, आर्थिक सहायता के लिए प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। किडनी फेल होने से डायलिसिस करा रहे पुत्र को किडनी देने को तैयार मां सोमवार को कलेक्टर के पास प्रशासन से मदद की गुहार लेकर पहुंची। महिला ने कलेक्टर को आवेदन देते हुए कहा कि वह अपने बेटे को किडनी देना चाहती है लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसके लिए प्रशासन से मदद मांगी है कलेक्टर ने संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारी को कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार कलेक्टर से गुहार लगाने पहुंची मां ने बताया कि उसके बेटे की किडनी फेल हो चुकी है जिसका उपचार 2020 से जिले के स्थानीय चिकित्सालयों में चल रहा है। डॉक्टर ने बताया कि बेटे के सफल ईलाज के लिए किडनी ट्रांसप्लांट करनी पड़ेगी। आवेदिका ने बताया कि वह अपनी किडनी देने के लिए तैयार है। उसने बताया कि पुत्र का इलाज स्पर्श हॉस्पिटल में चल रहा है। उनके पति का देहांत हो चुका है। आर्थिक रूप से सक्षम् न होते हुए भी रिश्तेदारों से मदद लेकर 02 वर्ष से पुत्र का डायलिसिस करा रही है। बेटे की जिंदगी बचाने के लिए किडनी ट्रांसफर कराने की आवश्यकता है, डोनर के रूप में मां स्वयं तैयार है। लेकिन आर्थिक स्थिति मां और पुत्र के रिश्ते के बीच का रोड़ा बन रही है। मदद के लिए उसकी निगाहें शासन और प्रशासन पर टिकी हुई हैं। अपने पुत्र के संपूर्ण दस्तावेजों के साथ वो जनदर्शन पहुंची थी। कलेक्टर ने वस्तु स्थिति का संज्ञान लिया और आवेदिका को यथा संभव मदद पहुंचाने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने त्वरित रूप से मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवेदन प्रेषित किया और शासन द्वारा चल रही योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना से आवेदक को लाभ मिल सके इसके लिए संबंधित अधिकारी को आवेदक को त्वरित मदद के लिए निर्देशित किया। लोन के नाम पर धोखाधड़ी का मामला आज के जनदर्शन में लोन को लेकर धोखाधड़ी का मामला भी पहुंचा था। जिसमें आवेदक द्वारा लाखों की धोखाधड़ी की शिकायत की गई थी। आवेदक किसान का कथन था कि जिला बेमेतरा में काम करने वाले एजेंट द्वारा 12 लाख गबन किया गया है।

आवेदक ग्राम ढेकापुर खम्हरिया का रहने वाला है। आवेदक का कहना है कि एजेंट बहुत सारे किसानों को लोन दिलाने का कार्य करता था। जिसके प्रलोभन में आकर मैने भी उसके द्वारा देना बैंक बेरला से 2017 में 24 लाख का लोन लिया।

गौरव पथ में डिवाइडर के दोनों ओर बनेगी चौड़ी सड़क, महापौर व आयुक्त ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत सोमवार को महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने गौरवपथ का चौड़ीकरण व सौंदर्यीकरण कार्य का अधिकारियों के साथ निरीक्षण करने पहुँचे। गांधी चौक से जेल तिराहा सुआ चौक तक के चौडीकरण व उन्नयन कार्य प्रगति पर है।

उक्त मार्ग चौडीकरण व उन्नयन कार्य में बाधक बन रहे पदमनाभपुर, पटेल काम्पलेक्स के सामने स्थित गुमटियो-दुकानों को उसी क्षेत्र में व्यवस्थित किया जावेगा। दुकानदारो को 7 दिवस के भीतर आबंटित गुमटी को स्वयं पीछे हटाकर व्यवस्थित करने को कहा गया है। आज निरीक्षण के दौरान महापौर धीरज बाकलीवाल और आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने दुकानदारों से मुलाकात कर मौजूद अधिकारी को निर्देश दिया कि दुकानदारो को सहयोग कर दुकान व्यवस्थापन के लिए दुकानों को 6 फिट तक पीछे करवाने मदद करें। करीब डेढ़ मीटर चौड़ी डिवाइडर के दोनों ओर 7-7 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण किया जाएगा। गौरव पथ टू लेन का होगा। सडक् के चौड़ी होने से नागरिकों को आवागमन में भारी सुविधा मिलेगी। महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि गौरवपथ का चौड़ीकरण जेल तिराहा से जेआरडी स्कूल के सामने स्थापित गांधी की प्रतिमा तक किया जाएगा और सड़क के दोनों ओर नाली का निर्माण किया जाएगा।

भिलाई के युवा ने किया कोक ओवन चार्जिंग तकनीक में क्रांतिकारी बदलाव, ऊर्जा और समय दोनों की होगी बचत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई के एक युवा इंजीनियर ने कोक ओवन की चार्जिंग तकनीक में क्रांतिकारी बदलाव के साथ सिंगल स्पॉट एससीपी मशीन का आविष्कार कर अद्वितीय सफलता हासिल की है। इस नए आविष्कार को भविष्य में अपनाया जाता है तो देश के ज्यादातर स्टील प्लांट में इस्तेमाल होने वाली एससीपी प्रक्रिया में कोयला चार्ज करने के दौरान पुरानी दिक्कतों से मुक्ति मिलेगी और बहुमूल्य ऊर्जा व समय की भी बचत होगी।

एससीपी मशीनों की आपूर्ति ज्यादातर यूरोपीय या चीनी कंपनियों द्वारा की जाती रही है। अनूठी विशेषता के आविष्कार के साथ इस मशीन को भारत में किसी भारतीय द्वारा पहली बार डिजाइन किया गया है। बहुराष्ट्रीय कंपनी थायसन क्रूप्प में सीनियर मैनेजर के पद पर कार्यरत और इस्पात नगरी भिलाई में पले बढ़े युवा इंजीनियर मिर्जा जाहिद बेग ने उम्मीद जाहिर की कि उनका यह आविष्कार कोक ओवन तकनीक संचालन में क्रांतिकारी साबित होगा। उन्होंने बताया कि इस बदलाव से संबंधित पेटेंट की सारी प्रक्रिया उनकी कंपनी के जर्मनी दफ्तर से पूर्ण की जा चुकी हैं और जल्द ही इस पर पेटेंट मिलने की उम्मीद है। अपने इस आविष्कार के संबंध में जाहिद बताया कि कोक ओवन में कोयला डालकर एक निर्धारित तापमान पर पकाया जाता है और कोयले को कोक में तब्दील किया जाता है।

इसमें पुरानी तकनीक में कोयला इन बैटरियों में चार्जिंग कार के माध्यम से ऊपर से डाला जाता है, जिसे टॉप चार्जिंग कहा जाता है। वहीं बाद के दौर में आई नई तकनीक स्टैम्पिंग चार्जिंग में इन भट्ठियों में एक हिस्से से कोयले का ब्लॉक (बड़ा टुकड़ा) बना कर डाला जाता है। इसके लिए स्टैम्पिंग-चार्जिंग-पुशिंग (एससीपी) मशीन इस्तेमाल होती है, जिसमें कोयले को स्टैम्पिंग (ठोक-पीट) कर कोयले का ब्लॉक बनाया जाता है और इन्हें चार्ज किया जाता है।

इसके बाद इस कोयले के कोक में तब्दील होने पर पुशिंग (बाहर की ओर धकेलने की क्रिया) की जाती है। जाहिद ने बताया कि एसीपी मशीन को इन तीनों प्रक्रिया के दौरान 3 से 4 मर्तबा आगे पीछे करना होता है। इससे मशीन की स्थिति भी बदलनी होती है। कई बार कोयले का पूरा केक (बड़ा टुकड़ा) अंदर नहीं जा पाता है तो उसे अंदर धकेलने भी इसे फिर से चलाना होता है। इसमें न सिर्फ बहुमूल्य ऊर्जा खर्च होती है बल्कि प्रदूषण भी कई बार मानक स्तर से अधिक हो जाता है। जाहिद बेग ने बताया कि उन्होंने जो बदलाव किए हैं, उसमें अब स्टैम्पिंग-चार्जिंग-पुशिंग के लिए एससीपी मशीन को बार-बार चलाने और आगे-पीछे करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। स्टैम्पिंग-चार्जिंग और पुशिंग का सारा काम अब एससीपी मशीन की स्थिति बदले बगैर हो पाएगा। चूंकि एससीपी मशीन 1400 टन के आसपास वजन की होती है, इसलिए इसे बार-बार आगे-पीछे करने से अत्याधिक ऊर्जा की खपत होती है, वहीं कोयला डालने (चार्जिंग करने) के बाद मशीन डोर बंद करने हटती है। उस समय भी गैस का उत्सर्जन होता है। अब बदलाव के बाद इस समस्या से भी निजात मिल जाएगी। उल्लेखनीय है कि मिर्जा जाहिद बेग की स्कूली शिक्षा बीएसपी सेक्टर-1 स्थित प्राइमरी, मिडिल व हायर सेकंडरी स्कूलों से हुई है। वहीं उनके परिजन वर्तमान में रामनगर भिलाई में रहते हैं। मिर्जा जाहिद बेग वर्तमान में बहुराष्ट्रीय कंपनी थायसन क्रूप्प के पुणे कार्यालय में कार्यरत हैं। संयोग से इस कंपनी के पुणे के प्रमुख अतुल सुपे भी भिलाई के ही हैं।

भिलाई में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका की हुई नियुक्ति

महापौर नीरज ने दिया महिलाओं को नियुक्ति पत्र, नव वर्ष का मिला बड़ा तोहफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर नीरज पाल ने 4 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका को नियुक्ति पत्र प्रदान कर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की। अब यह महिलाएं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका के रूप में कार्य करेंगी। एक प्रकार से नव वर्ष में इन्हें महापौर ने नियुक्ति पत्र देकर तोहफा दिया है। एमआईसी में इनकी नियुक्ति को लेकर हरी झंडी दी गई थी और विभागीय प्रक्रिया पूर्ण कर नियुक्ति आदेश जारी कर दिया गया। नियुक्ति पत्र पाकर महिलाओं के चेहरे में मुस्कान साफ नजर आ रही थी। महापौर ने इन्हें बधाई देते हुए कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका की जिम्मेदारी बहुत महत्वपूर्ण होती है। एक वार्ड, मोहल्ले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका शासकीय योजनाओं आदि को लेकर अहम

भूमिका अदा करती है। उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त रोहित व्यास ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका का नियुक्ति आदेश जारी किया है। अब यह महिलाएं निर्धारित वार्ड क्षेत्रों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका की जिम्मेदारी निभाएंगी। महापौर नीरज पाल के हाथों नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वालों में रागिनी वर्मा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, धनेश्वरी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पूर्णिमा निर्मलकर आंगनबाड़ी सहायिका एवं दिलेश्वरी ठाकुर आंगनबाड़ी सहायिका शामिल रही। रागिनी वर्मा को वार्ड क्रमांक 8 बजरंग पारा कोहका, धनेश्वरी को वार्ड क्रमांक 16 अटल आवास कुरूद, पूर्णिमा निर्मलकर को वार्ड 7 आरक्षी नगर कोहका तथा दिलेश्वरी ठाकुर को वार्ड क्रमांक 30 गणेश मंदिर खुर्सीपार में नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त इन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका को अनिवार्य रूप से विभागीय प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950